RNI No. DLHIN/25/A2321

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

दिव्य दिल्ली

वर्ष: 01, अंक: 04, पृष्ठ: 08 infodivyadelhi@gmail.com

गुरूवार, 11 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री सूयोदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

टैरिफ वॉर: नरम पड़े ट्रंप के तेवर

राष्ट्रपति से बातचीत को उत्सुक', ट्रंप की बातचीत की इच्छा पर पीएम मोदी का जवाब

राजेश चौहान
नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता के सकारात्मक जिक्र पर गर्मजोशी से प्रतिक्रिया दी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत और अमेरिका के बीच चल रही वार्ता दोनों देशों के बीच साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। कि दोनों देश व्यापार वार्ता को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए काम कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने क्या कहा?
पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'भारत और अमेरिका घनिष्ठ मित्र और स्वाभाविक साझेदार हैं। मुझे विश्वास है कि हमारी व्यापार वाताएं भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उजागर करने का मार्ग प्रशस्त करेंगी। हमारी टीमें इन चचाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए काम कर रही हैं। मैं राष्ट्रपति ट्रंप से बातचीत के लिए भी उत्सुक हूं। हम दोनों देशों के लोगों के लिए एक उज्जवल और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे।'

दोस्त मोदी से बातचीत करने के लिए उत्सुक: ट्रंप

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं। मैं आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे मित्र, प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी!'

पीएम मोदी की यह टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्हें पूरा विश्वास है कि दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता को सफलतापूर्वक पूरा करने में कोई कठिनाई नहीं होगी और वह आने वाले हफ्तों में अपने बहुत अच्छे दोस्त मोदी से बातचीत करने के लिए उत्सुक हैं।

कांग्रेस ने पीएम मोदी से पूछे तीखे सवाल

नई दिल्ली
अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारतीय समानों पर 50 % टैरिफ लगाए जाने के बाद दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए है। ऐसे में जब चर्चा का बाजार गर्म हुआ तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक दूसरे को गर्मजोशी भरे संदेश भी दिए। इसके बाद अब इस मामले में कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने तंज कसते हुए सवाल उठाया है कि क्या भारत और अमेरिका वाकई इतने पक्के दोस्त हैं कि ट्रंप ने 35 से ज्यादा बार खुद को भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का सूत्रधार बताया है? बता दें कि मामले में बढ़ते विवाद के बीच ट्रंप ने मंगलवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वाताएं जारी हैं और उन्हें विश्वास है कि दोनों देश जल्द ही एक सफल समझौते पर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही अपने अच्छे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी से बात करने को लेकर उत्साहित हैं।

अक्तूबर में भारत आएंगे ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर

मुंबई
मुंबई अगले महीने वैश्विक वित्तीय और तकनीकी नेतृत्व का केंद्र बनने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर 7 से 9 अक्तूबर तक होने वाले तीन दिवसीय ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) में हिस्सा लेंगे। यह वार्षिक कार्यक्रम दुनियाभर से नीति निमार्ताओं, निवेशकों और वित्तीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाने के लिए जाना जाता है। इस सम्मेलन में जर्मनी, फ्रांस, स्विट्जरलैंड और सिंगापुर जैसे देशों के केंद्रीय बैंक और नियामक संस्थाएं भी भाग लेंगी। साथ ही, लगभग 500 वैश्विक निवेशक और 400 प्रदर्शक अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

फर्जी खबरों पर लगाम लगाने की तैयारी

संसदीय समिति ने की दंडात्मक प्रावधान में संशोधन की सिफारिश

समिति ने फर्जी खबरों को सार्वजनिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरा बताया

नई दिल्ली
सरकार ने फर्जी खबरों पर लगाम लगाने की तैयारी की है। संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने फर्जी खबरों को सार्वजनिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए खतरा बताया है। समिति ने फर्जी खबरों से निपटने के लिए दंडात्मक प्रावधानों में संशोधन, जुमार्ना बढ़ाने और जवाबदेही तय करने की सिफारिश की है। समिति ने सभी प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संस्थानों में फैक्ट चेक तंत्र और आंतरिक लोकपाल की तैनाती की भी मांग की है। सूत्रों के हवाले से पीटीआई ने बताया कि समिति ने फर्जी खबरों की चुनौती से निपटने के लिए सरकारी, निजी और स्वतंत्र तथ्य-जांचकर्ताओं सहित सभी हितधारकों के बीच सहयोगात्मक प्रयास सहित कई सुझाव दिए हैं। समिति ने रिपोर्ट को सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। समिति की सिफारिशों में कहा गया है कि समिति सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय से यह सुनिश्चित करने की इच्छा रखती है कि देश के सभी प्रिंट, डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संगठनों में तथ्य-जांच तंत्र और आंतरिक लोकपाल को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। अगले सत्र में इस रिपोर्ट को संसद द्वारा पारित किए जाने की संभावना है। संपादकों और विषय-वस्तु प्रमुखों को, संस्थागत विफलताओं के लिए मालिकों और प्रकाशकों को, फर्जी समाचारों को फैलाने के लिए बिचौलियों और प्लेटफार्मों को जवाबदेही सौंपने की मांग करते हुए प्रकाशन प्रसारण पर नकेल कसने के लिए मौजूदा अधिनियमों और नियमों के तहत दंडात्मक प्रावधानों में संशोधन की जरूरत बताई है।

गठबंधन की अटकलें: उद्धव ने फिर की राज ठाकरे से मुलाकात

गठबंधन की चर्चाओं के बीच ठाकरे परिवार ने उनसे मुलाकात की

मुंबई
शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बुधवार को अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे से मुलाकात की। दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चाओं के बीच ठाकरे परिवार ने उनसे मुलाकात की। दोनों दलों के प्रमुखों और उनके नेताओं के बीच राज ठाकरे के आवास 'शिवतीर्थ' पर बैठक हुई। दोनों चचेरे भाइयों के बीच यह दूसरी सार्वजनिक मुलाकात है। इससे पहले उद्धव गणेश उत्सव के अवसर पर शिवतीर्थ गए थे।

राज पिछले महीने 'मातोश्री' गए थे
महाराष्ट्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए त्रि-भाषा फॉमूर्ले और राज्य में हिंदी थोपने संबंधी अपने विवादास्पद सरकारी आदेशों को वापस लेने के बाद दोनों ने 5 जुलाई को एक मंच साझा किया था।

राज पिछले जुलाई में ही उद्धव को उनके जन्मदिन की बधाई देने के लिए बांद्रा स्थित मातोश्री गए थे।

बीएमसी चुनाव में भाजपा से मुकाबले की तैयारी?

अब तक उद्धव और राज की पार्टियों के बीच किसी भी तरह के गठबंधन का आधिकारिक एलान नहीं हुआ है, लेकिन दोनों पार्टियों ने संकेत दिए हैं कि वे स्थानीय निकाय चुनावों में साथ आ सकते हैं। अगर ऐसा हुआ, तो इनका मुख्य प्रतिद्वंद्वी भाजपा होगी। ऐसे तो राज ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच अच्छे रिश्ते माने जाते हैं, लेकिन राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। ऐसे में देखने वाली बात होगी कि महाराष्ट्र की राजनीति आने वाले समय में किस ओर घुमती है।

12 सितंबर को उपराष्ट्रपति पद की शपथ ले सकते हैं सीपी राधाकृष्णन

देश के निर्वाचित उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 12 सितंबर को पद की शपथ ले सकते हैं। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शुक्रवार को राधाकृष्णन को शपथ दिलाएंगी। राष्ट्रपति भवन में 12 सितंबर को एक औपचारिक समारोह में शपथ ग्रहण संपन्न होगा। 67 वर्षीय राधाकृष्णन ने मंगलवार को हुए उपराष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्षी उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को हराकर जीत हासिल की थी। यह चुनाव तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के 21 जुलाई को अचानक दिए गए इस्तीफे के बाद कराया गया था।

संसद भवन में मंगलवार को हुए मतदान में राधाकृष्णन को 752 वैध मतों में से प्रथम वरीयता के 452 वोट मिले थे, जबकि रेड्डी को प्रथम वरीयता के महज 300 वोट ही मिले थे। 14 सांसदों ने क्रॉस वोटिंग की। उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसद मतदाता होते हैं।

सीपी राधाकृष्णन को चुनाव जीतने पर बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि वे एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर कहा, सीपी राधाकृष्णन जी को 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए बधाई। उनका जीवन हमेशा समाज की सेवा और गरीबों व हाशिये पर पड़े लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित रहा है।

'राज्यपाल, मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य'

नई दिल्ली
तेलंगाना सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि राज्यपाल अभियोजन स्वीकृति देने के मामले में भी मंत्रिपरिषद की सलाह लेने के लिए बाध्य होते हैं। जब कोई मंत्री या मुख्यमंत्री किसी आपराधिक मामले में शामिल हों, तभी राज्यपाल पर ये बाध्यता नहीं होती। भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ, राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने के मामले में सुनवाई कर रही है। इस पीठ में जस्टिस गवई के अलावा जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदुरकर भी शामिल हैं।

गोपाल सुब्रमण्यम ने सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर मंत्रिपरिषद की संतुष्टि ही राज्यपाल की संतुष्टि होती है। सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई कर रहा है।

मानसून के बाद चारधाम यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू

गोपेश्वर

बदरीनाथ धाम में मानसून के बाद अब एक बार फिर से यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। इसके लिए प्रशासन और पुलिस ने कमर कस ली है। मानसून लगभग अब विदाई की ओर है और आसमान साफ होते ही चारधाम यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव श्री बदरीनाथ धाम में श्रद्धालुओं की आवाजाही ने फिर से रफ्तार पकड़ ली है। बुधवार को धाम परिसर में पुलिस प्रशासन, मंदिर समिति, नगर पंचायत और अन्य विभागों ने मिलकर यात्रा को लेकर सामूहिक मंथन किया। जिससे दूसरे चरण की यात्रा श्रद्धालुओं के लिए और अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक बनाई जा सके। पुलिस की ओर से यात्रा मार्गों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन एवं आपातकालीन सेवाओं को और सुदृढ़ करने के लिए विशेष रणनीति पर चर्चा की गई।

आप विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा दोषी करार

खडूर साहिब (पंजाब)

लड़की के साथ छेड़छाड़ व मारपीट करने के मामले पर 12 वर्ष बाद एडिशनल सेशन जज प्रेम कुमार की अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने खडूर साहिब से आम आदमी पार्टी के विधायक मनजिंदर सिंह लालपुरा समेत सभी 12 आरोपियों को दोषी करार दे दिया। इन सभी को अदालत के आदेश पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पंजाब के जिला तरनतारन के अंतर्गत आते गांव से संबंधित अनुसूचित जाति की लड़की अपने पिता पूर्व सैनिक और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ चार मार्च 2013 को श्री गोइंदवाल बाइपास स्थित पंजाब इंटरनेशनल पैलेस में गई थी। वहां पर मौजूद कुछ टैक्सी चालकों (ड्राइवरों) ने उसके साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की।

गोविंद बल्लभ पंत के विचार हमेशा राष्ट्रसेवा की देते रहेंगे प्रेरणा: धामी

देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरप्रदेश के पहले मुख्यमंत्री और भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत को उनकी जयंती पर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

योग्य गुरु मिले तो कोई भी मनुष्य अयोग्य नहीं : सीएम योगी

समाज और राष्ट्र को दिशा दिखाई गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने : मुख्यमंत्री

गोरखपुर

गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। अगर कोई मनुष्य अयोग्य है तो मानकर चलिए उसे योग्य योजक नहीं मिला। योग्य गुरु मिलने पर मनुष्य अयोग्य हो ही नहीं सकता। इस परिप्रेक्ष्य में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की सर्वस्वीकार्य प्रतिष्ठा सुयोग्य योजक की रही है। सीएम योगी को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं तथा राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह के अंतर्गत बुधवार (आश्विन कृष्ण तृतीया) को महंत दिग्विजयनाथ की पुण्यतिथि पर अपनी भावाभिव्यक्ति कर रहे थे। अमन्त्रमक्षरं नास्ति, नास्ति मूलमनौषधम्, अयोग्यः पुरुषो नास्ति योजकस्तत्र दुर्लभः का उद्धरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसा कोई अक्षर नहीं है जिसमें मंत्र बनने का सामर्थ्य न हो और ऐसी कोई वनस्पति नहीं है जिसमें औषधीय गुण न हो। ऐसे ही कोई व्यक्ति अयोग्य नहीं होता, जरूरत होती है व्यक्ति की योग्यता को पहचान कर उसे सही दिशा देने वाले गुरु की। गोरक्षपीठ के ब्रह्मलीन महंतद्वय ने सदैव योजक की भूमिका का निर्वहन कर समाज और राष्ट्र को दिशा दिखाई। पूर्ववर्ती दोनों पीठाधीश्वरों युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज का पूरा जीवन देश और धर्म के लिए समर्पित था।

..तो राम मंदिर बनता ही नहीं : डॉ. रामविलास वेदांती

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए वशिष्ठ आश्रम, अयोध्याधाम से आए पूर्व सांसद डॉ. रामविलास वेदांती ने कहा कि गोरक्षपीठ के महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज महंत अवेद्यनाथ जी महाराज न होते तो अयोध्या में राम मंदिर बनता ही नहीं। उन्होंने कहा कि राम मंदिर आंदोलन की अगुवाई करने के लिए जब अयोध्या का कोई संत तैयार नहीं हुआ तो महंत अवेद्यनाथ आगे आए। उन्होंने कहा था कि मुझे गोरक्षपीठ नहीं बल्कि श्रीराम जन्मभूमि की चिंता है। उनके नेतृत्व में श्रीराम जन्मभूमि मुक्ति यज्ञ समिति ने जो आंदोलन शुरू किया, उसी का परिणाम है कि मंदिर बन गया है।

'संतों के संकल्प में पवित्रता, दृढ़ता होती है, साधना के अंश होते हैं'

संतों के संकल्प में पवित्रता, दृढ़ता होती है, संकल्प में उसकी साधना के अंश होते हैं। और, जब सच्चा संत कोई संकल्प लेता है तो उसके परिणाम अवश्य आते हैं। ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ और ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ ऐसे ही संकल्पों वाले संत थे। अयोध्या के श्रीराम मंदिर निर्माण के उनके संकल्प और संकल्प के प्रति किए गए संघर्ष का परिणाम आज पूरी दुनिया के सामने है।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की पुण्य स्मृति को नमन करते हुए कहा कि महंतश्री का जन्म इतिहास प्रसिद्ध मेवाड़ की उस कुल परंपरा में हुआ था जिसने विदेशी आक्रांताओं के सामने कभी समर्पण नहीं किया। वह हिंदुआ सूर्य महाराणा प्रताप की परंपरा से गोरखपुर आए। उनका जीवन सिर्फ आध्यात्मिक उन्नयन तक सीमित नहीं रहा बल्कि उन्होंने धर्म के अभ्युदय के साथ समाज और राष्ट्र के हित में सांसारिक उत्कर्ष को भी शिक्षा और सेवा के माध्यम से आमजन के लिए महत्व दिया। यही कार्य महंत अवेद्यनाथ जी ने भी किया। सीएम योगी ने कहा कि सच्चा साधु धर्म के अभ्युदय और निः श्रेयस, दोनों को साथ लेकर चलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि महंत दिग्विजयनाथ जी गोरखनाथ मंदिर के वर्तमान स्वरूप के शिल्पी थे। उन्होंने इसे सनातन परंपरा के वैभवशाली मंदिर के रूप में स्थापित किया। इसके साथ ही उनकी ख्याति पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक क्रांति के पुरोधा के रूप में भी है।

साधु अकेला, समाज उसका परिवार, सनातन ही उसकी जाति

मुख्यमंत्री ने कहा कि साधु अकेला होता है। समाज उसका परिवार, राष्ट्र उसका कुटुंब होता है और उसकी जाति सिर्फ सनातन होती है।

विकसित भारत भारत और भारतीयता का मंत्र: सीएम

सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए विकसित भारत के उद्घोष का भी उल्लेख किया। कहा कि विकसित भारत केवल राजनीतिक संकल्प नहीं है बल्कि यह भारत और भारतीयता का मंत्र है। वसुधैव कुटुम्बकम की दृष्टि से कभी भारत ने दुनिया को अपनी ताकत का एहसास कराया था। कोई आपस में लड़े न, यह भारत की परंपरा है। ऐसा फिर से हो, इसके लिए विकसित और आत्मनिर्भर भारत की आवश्यकता है। इसलिए, हर भारतीय को विकसित भारत के संकल्प से जुड़ना होगा। जब संकल्प अंतःकरण से होता है तो वह अवश्य पूरा होता है।

परंपराएं हमारी विरासत, सीख लेने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरक्षपीठ में पूज्य आचार्यों की स्मृति में साप्ताहिक आयोजन पीठ की परंपरा का हिस्सा है। मंदिर के अलावा आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की सभी संस्थाओं में भी पूज्य आचर्यद्वय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए आयोजन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि परंपराएं हमारी विरासत होती हैं। वर्तमान और भावी पीढ़ी को इनके जरिये प्रेरणा और सीख लेने की जरूरत होती है। विरासत के संदर्भ में उन्होंने अखंड भारत में दुनिया के पहले विश्वविद्यालय, प्रभु श्रीराम के भाई भरत के पुत्र तक्ष के नाम पर स्थापित तक्षशिला विश्वविद्यालय का उल्लेख भी किया। बताया कि पाणिनि का व्याकरण इसी तक्षशिला विश्वविद्यालय से आगे बढ़ा। महर्षि सुश्रुत और चरक जैसे आयुर्वेद के जनक इसी विश्वविद्यालय से निकले। आयुर्वेद, व्याकरण, अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, कृषि सहित अनेक क्षेत्रों के लिए यही प्राचीनतम विश्वविद्यालय रहा।

बिहार के बक्सर-भागलपुर कॉरिडोर के मोकामा-मुंगेर खंड के निर्माण को मंजूरी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बिहार को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत बक्सर-भागलपुर हाई-स्पीड कॉरिडोर के मोकामा-मुंगेर खंड का हाइब्रिड वार्षिकी मोड में निर्माण होगा। यह सड़क मोकामा, बड़हिया, लखीसराय, जमालपुर और मुंगेर को भागलपुर से जोड़ेगी। इससे क्षेत्र के लोगों को तेज और सुरक्षित यात्रा का लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बुधवार को हुई बैठक में उक्त फैसला लिया गया। मोकामा-मुंगेर सेक्शन 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड सड़क होगी। इसकी कुल लंबाई 82.4 किलोमीटर होगी। परियोजना पर लगभग 4,447 करोड़ रुपये खर्च होंगे। सरकार का मानना है कि इस परियोजना से क्षेत्र का आर्थिक और सामाजिक विकास तेज होगा। मंत्रिमंडल के फैसलों के बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्वनी वैष्णव ने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कॉरिडोर पर वाहन औसतन 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से चल सकेंगे। इसकी डिजाइन स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई है। नई सड़क बनने से यात्रा का समय घटकर करीब डेढ़ घंटा रह जाएगा। इस परियोजना से रोजगार भी बढ़ेगा।

'बीजेपी वाले पूरे देश में डिस्टर्ब हैं, क्योंकि...

बीजेपी वाले पूरे देश में डिस्टर्ब हैं, क्योंकि हमने इनकी वोट चोरी पकड़ ली है, महाराष्ट्र, हरियाणा, यूपी, कर्नाटक में, सब जगह हमने ये चोरी पकड़ ली: सांसद राहुल गांधी

रायबरेली

लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली सांसद राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे पर अपने संसदीय क्षेत्र पहुंचे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी वाले पूरे देश में डिस्टर्ब हैं, क्योंकि हमने इनकी वोट चोरी पकड़ ली है। महाराष्ट्र, हरियाणा, यूपी, कर्नाटक में, सब जगह हमने ये चोरी पकड़ ली है। डिडौली में बूथ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा महाराष्ट्र में लोकसभा में हमारा गठबंधन जीतता है। लोकसभा में हमारी जीत होती है, चार महीने बाद साफ हो गया। हमने पता लगाया तकरीबन एक करोड़ नए वोटर लोकसभा के बाद इलेक्शन सिस्टम में एड हो गए। लोकसभा और विधानसभा में हमारे वोट पर कोई फर्क नहीं पड़ा, बीजेपी के वोट बढ़े। बीजेपी के वोट वहां बढ़े, जहां नए वोटर हैं और सारे के सारे नए वोटर बीजेपी के खाते में चले गए। मैंने इलेक्शन कमीशन से शिकायत की, आप कह रहे हो कि लोकसभा में नहीं थे अब आप कर रहे हो कि विधानसभा में नए वोटर आ गए। राहुल गांधी का पहला कार्यक्रम बटोही रिसार्ट में रखा गया था। वहां बूथ अध्यक्षों के साथ बैठक कार्यक्रम निर्धारित रहा। वह पहले कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते इससे पहले ही प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार निदेश प्रताप सिंह अपने समर्थकों के साथ कठवारा के पास धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस पर अधिकारियों ने सांसद राहुल गांधी का काफिला रास्ते में रोक दिया गया। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के समर्थक हाथ में राहुल गांधी वापस जाओ की तख्ती लिए हुए थे।

छात्रों की आत्महत्या रोकने के लिए एम्स ने एआई आधारित नेवर अलोन एप किया लॉन्च

"इस एप का उद्देश्य कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए स्क्रीनिंग, इंटरवेंशन और पोस्ट-इंटरवेंशन फॉलोअप उपलब्ध कराना है"

नई दिल्ली

आत्महत्या के मामलों की रोकथाम के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने बुधवार को नेवर अलोन नामक एआई आधारित एप लॉन्च किया।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस के अवसर पर शुरू किए गए इस एप का उद्देश्य कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए स्क्रीनिंग, इंटरवेंशन और पोस्ट-इंटरवेंशन फॉलोअप उपलब्ध कराना है। यह एप वेब-आधारित है और व्हाट्सऐप के माध्यम से भी सुरक्षित रूप से इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें छात्रों को 247 वर्चुअल और ऑफलाइन कंसल्टेशन की सुविधा मिलेगी। एम्स दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. नंद कुमार ने बताया कि नेवर अलोन सेवा एम्स दिल्ली द्वारा सभी एम्स संस्थानों को निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

इसे ग्लोबल सेंटर ऑफ इंटीग्रेटिव हेल्थ के माध्यम से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अन्य संस्थानों में छात्रों के लिए मानसिक स्वास्थ्य की स्क्रीनिंग की लागत सिर्फ 70 पैसे प्रति छात्र प्रतिदिन होगी। डॉ. कुमार ने कहा कि आत्महत्या रोकी जा सकती है, लेकिन उपचार न लेने की प्रवृत्ति बड़ी बाधा है।

लगभग 70-80 प्रतिशत मानसिक रोगी इलाज नहीं कराते। इसका बड़ा कारण जागरूकता की कमी और सामाजिक कलंक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, हर साल करीब 7.27 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यानी हर दिन लगभग 1,925 मौतें, औसतन हर 45 सेकंड में एक आत्महत्या। भारत में 2022 में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो पिछले 56 वर्षों में सबसे अधिक है। इनमें 18-30 वर्ष के युवा 35 प्रतिशत और 30-45 वर्ष आयु वर्ग के 32 प्रतिशत व्यक्ति शामिल हैं।

सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली

राऊज एवेन्यू कोर्ट के एडिशनल चीफ जुडिशियल मजिस्ट्रेट वैभव चौरसिया ने उस याचिका पर फैसला सुरक्षित रखने का आदेश दिया है, जिसमें 1980 में वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। हालांकि, कोर्ट ने सोनिया गांधी और दिल्ली पुलिस को अभी नोटिस जारी नहीं किया है। यह याचिका विकास त्रिपाठी ने दायर की है। याचिका में कहा गया है कि सोनिया गांधी का नाम दिल्ली के नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के वोटर लिस्ट में 1980 में ही जुड़ गया था, जबकि वो 1983 में भारत की नागरिक बनीं। बीच में सोनिया गांधी का नाम वोटर लिस्ट से 1982 में हटाया गया और बाद में 1983 में फिर नाम जोड़ा गया।

बुधवार को इस मामले पर कोर्ट ने आंशिक दलीलें सुनने के बाद मामले की अगली सुनवाई 10 सितंबर को करने का आदेश दिया। याचिका में कहा गया है कि सोनिया गांधी ने भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन भी अप्रैल 1983 में दिया था। याचिका में कहा गया है कि जब सोनिया गांधी 1983 में भारतीय नागरिक बनीं तो 1980 में वोटर लिस्ट में जोड़ने के लिए कुछ फर्जी दस्तावेज दिए गए होंगे, जो एक संज्ञेय अपराध है। ऐसे में कोर्ट सोनिया गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दे।

मोदी आज वाराणसी में मॉरीशस के पीएम से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली

मॉरीशस के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर हैं। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी गुरुवार को वाराणसी का दौरा करेंगे और पने समकक्ष नवीनचंद्र रामगुलाम की मेजबानी करेंगे। साथ ही द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। एक अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा कि यह बैठक स्थायी सभ्यतागत जुड़ाव, आध्यात्मिक बंधनों और लोगों के बीच गहरे संबंधों को लेकर होगी। जिसने भारत और मॉरीशस के बीच रिश्ते और मजबूत होंगे। इसके बाद नरेंद्र मोदी बाद में देहरादून के लिए रवाना होंगे। जहां उत्तराखंड के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करेंगे। मिली जानकारी के मुताबिक, यहां पीएम मोदी अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे। मंगलवार को मुंबई पहुंचे मॉरीशस पीएम 16 सितंबर तक भारत के दौरे पर हैं।

अर्धसैनिक बलों की भर्ती मामले में कोर्ट का अहम फैसला, केंद्र की अपील स्वीकार

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम आदेश में कहा है कि अगर कोई आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार भर्ती के समय आरक्षित वर्ग को आयु सीमा में मिली छूट का लाभ लेता है तो बाद में वह अनारक्षित वर्ग की रिक्तियों (सामान्य वर्ग) में स्थानांतरित नहीं हो सकता अगर नियमों में इसकी स्पष्ट मनाही की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की अपील स्वीकार करते हुए त्रिपुरा हाई कोर्ट का वह आदेश रद कर दिया है, जिसमें अर्धसैनिक बलों की भर्ती में आयु सीमा में छूट का लाभ लेकर भर्ती परीक्षा में शामिल हुए ओबीसी अभ्यर्थियों को बाद में सामान्य वर्ग में स्थानांतरित कर नियुक्ति देने का आदेश दिया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जोयमाल्या बाग्ची की पीठ ने स्टाफ सिलेक्शन बोर्ड (एसएससी) की 2015 की अर्धसैनिक बलों में सिपाही (जनरल ड्यूटी (जीडी) भर्ती के मामले में नौ सितंबर को यह फैसला दिया है। पीठ ने आयु सीमा या फीस आदि का लाभ लेकर सामान्य वर्ग के साथ खुली भर्ती में भाग लेने वाले आरक्षित वर्ग के उम्मीदवार के बाद में अनारक्षित वर्ग में नियुक्ति के लिए स्थानांतरित होने के बारे में कानूनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि ये हर मामले के तथ्यों पर निर्भर करेगा। अगर भर्ती नियमों या रोजगार अधिसूचना में स्पष्ट रूप से मनाही नहीं है तो आरक्षित वर्ग का उम्मीदवार, जिसने अनारक्षित वर्ग यानी सामान्य वर्ग के अंतिम चयनित उम्मीदवार से ज्यादा अंक हासिल किए हैं। सामान्य वर्ग की रिक्ति में नियुक्ति के लिए स्थानांतरित हो सकता है यानी उसकी नियुक्ति सामान्य वर्ग की रिक्ति में हो सकती है, लेकिन अगर संबंधित भर्ती नियमों में इसकी स्पष्ट रूप से मनाही की गई है और रोक लगाई गई है तो वह सामान्य पद की रिक्ति में नियुक्त नहीं हो सकता। यानी बाद में सामान्य वर्ग के अंतिम उम्मीदवार से ज्यादा अंक पाने पर भी नियुक्ति के लिए सामान्य वर्ग में स्थानांतरित नहीं हो सकता।

पिछला आदेश गलत

कोर्ट ने कहा कि मौजूदा मामले में प्रतिवादियों (ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों) को बाद में सामान्य वर्ग में नियुक्ति के लिए स्थानांतरित नहीं किया जा सकता, क्योंकि उन्होंने ओबीसी आरक्षित वर्ग को नियमों में मिली आयु सीमा की छूट का लाभ लिया था।

ऐसे में हाई कोर्ट द्वारा उन्हें सामान्य वर्ग में स्थानांतरित कर नियुक्ति देने का आदेश गलत है। इस मामले में केंद्र सरकार ने एक जुलाई 1998 के एक ऑफिस मैमोरेंडम का हवाला देते हुए ओबीसी वर्ग के आरक्षित उम्मीदवारों को अनारक्षित वर्ग की रिक्तियों में नियुक्ति देने का विरोध किया था।

जम्मू-कश्मीर में इस बार 41% अधिक बारिश, बाढ़ ने बढ़ाई मुसीबत; 2024 पिछले पांच दशकों का सबसे सूखा वर्ष

जम्मू

लगातार बाढ़ के खतरों के बीच, जम्मू-कश्मीर में इस साल जून से सितंबर तक 41 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जम्मू क्षेत्र के पांच केंद्रों ने 1 जून, 2025 से 3 सितंबर, 2025 तक अत्यधिक वर्षा दर्ज की है। इन केंद्रों में उधमपुर, सांबा, राजौरी, रामबन और डोडा शामिल हैं। मौसम विभाग के अनुसार इस क्षेत्र में लगातार कई वर्षों से कम वर्षा हो रही है, जबकि इस बार बादल खूब बरसे हैं। जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2024 पिछले पांच दशकों का सबसे सूखा वर्ष रहा, जिसमें 29% की कमी देखी गई। वर्ष 2023 में, जम्मू-कश्मीर में 7% की कमी दर्ज की गई, 2022 में 16% की कमी, 2021 में 28% की कमी और 2020 में 20% की कमी दर्ज की गई। आंकड़ों से पता चलता है कि श्रीनगर और जम्मू उन पांच केंद्रों में शामिल हैं जहां इस अवधि के दौरान अधिक वर्षा दर्ज की गई है। अन्य तीन केंद्रों में अनंतनाग, पुलवामा और रियासी शामिल हैं। बडगाम, गांदरबल, बांदीपोरा, बारामूला, कुलगाम, कठुआ और पुंछ सहित सात केंद्रों में इस मौसम में सामान्य वर्षा दर्ज की गई। हालाँकि, यह दशार्ता है कि किश्तवाड़, कुपवाड़ा और शोपियां सहित दो केंद्रों में क्रमशः 33 प्रतिशत, 20 प्रतिशत और 57 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है।

रैंकिंग में 24 पायदान की गिरावट; अब 32वें स्थान पर, 10 लाख से अधिक आबादी वाले 48 शहरों की इस रैंकिंग में दिल्ली की रैंकिंग में 24 पायदान की गिरावट आई

वायु सर्वेक्षण में फूली दिल्ली की सांस

प्रदूषण के सभी प्रमुख स्रोतों से उत्सर्जन में गहरी कटौती की आवश्यकता

शिवानी कौर बमराह
नई दिल्ली

राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लगातार खराब होता जा रहा है। हवा में मौजूद माइक्रोप्लास्टिक और हेवी मेटल सांस के साथ फेफड़ों की क्षमता को प्रभावित कर मूक कातिल बनकर लोगों की सांस उखाड़ रहा है। आलम यह है कि पिछले साल सातवें पायदान पर रही दिल्ली केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की हालिया रिपोर्ट स्वच्छ हवा सर्वेक्षण 2025 में 32वें स्थान पर पहुंच गई है। सर्वेक्षण के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 10 लाख से अधिक आबादी वाले 48 शहरों की इस रैंकिंग में दिल्ली की रैंकिंग में 24 पायदान की गिरावट आई है। पिछले साल 2024 में यह सातवें पायदान पर थी। इसने विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मानकों से कहीं अधिक है। पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) का स्तर खतरनाक स्तर पर बना हुआ है, जो सांस संबंधी बीमारियों और जीवन प्रत्याशा पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। इसके अलावा, राजधानी की बयार को राज्य स्तर पर 172.3 और अंतिम स्कोर 157.3 मिला है। आलम यह है शिकागो यूनिवर्सिटी के एनर्जी पॉलिसी इंस्टीट्यूट की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में वायु प्रदूषण के कारण औसतन जीवन प्रत्याशा में 8 साल की कमी आ रही है। सर्वेक्षण में एनसीएपी के तहत किए गए प्रयासों को भी रेखांकित किया गया है, जिसका उद्देश्य 2019 से चिन्हित शहरों में वायु प्रदूषण को कम करना है। इस कार्यक्रम के तहत वायु गुणवत्ता निगरानी, उत्सर्जन मानकों को लागू करना और जन जागरूकता बढ़ाना शामिल है।

एनसीआर में गाजियाबाद का बेहतर प्रदर्शन

गाजियाबाद ने एनसीआर में बेहतर प्रदर्शन दिखाया और 12वां स्थान हासिल किया। गाजियाबाद नगर निगम ने स्वच्छता और प्रदूषण नियंत्रण के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें सड़कों की नियमित सफाई, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, और हरित क्षेत्रों को बढ़ावा देना शामिल है।

आतिशी व आआपा नेता पर बाढ़ प्रभावितों के लिए बहा रहे घड़ियाली आंसू - सचदेवा

नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) की नेता और दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी की बाढ़ प्रभावितों और किसानों को लेकर की गई बयानबाजी को शर्मनाक करार देते हुए उनकी आलोचना की।

सचदेवा ने कहा कि आतिशी और अन्य आआपा नेता बाढ़ प्रभावितों और किसानों के नाम पर केवल घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं, जबकि 10 साल तक सत्ता में रहते हुए आआपा सरकार ने दिल्ली के किसानों को

प्राकृतिक आपदाओं में कोई राहत नहीं दी और केंद्र सरकार की सहायता को भी बाधित किया। सचदेवा ने बताया कि कांग्रेस की शीला दीक्षित सरकार ने 2010 में दिल्ली का कृषि राज्य दर्जा समाप्त कर दिया था, जिसके बाद अरविंद केजरीवाल की आआपा सरकार से किसान लगातार 10 साल तक इस दर्जे को बहाल करने की मांग करते रहे, लेकिन उनकी मांग को अनसुना किया गया। कृषि राज्य दर्जा न होने के कारण दिल्ली के किसानों को ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों पर छूट नहीं मिलती और प्राकृतिक आपदाओं में केंद्र सरकार की सहायता भी नहीं मिल पाती। उन्होंने कहा कि 2015 और 2016 में ओलावृष्टि से किसानों को भारी नुकसान हुआ, लेकिन केजरीवाल सरकार की लापरवाही के कारण किसानों को पूरा मुआवजा नहीं मिला।

स्वच्छता अभियान बना मजाक, द्वारका में लगे कूड़े के ढेर, लोगों का जीना मुश्किल

फोटो: शिव ठाकुर

अजीज सैफी
नई दिल्ली

एक तरफ पार्क की शानदार हरियाली तो दूसरी तरफ ठीक इससे सटे हिस्से में कूड़े से निकलने वाली सड़ांध। उपनगरी द्वारका में पिछले कई दिनों से इस तरह की स्थिति लोगों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में रहने वाले आम लोग परेशान हैं लेकिन क्या मजाल कि निगम द्वारा किसी ने भी इस स्थिति से निजात दिलाने की ढेले भर की भी कोशिश की हो। उपनगरी के निवासियों में निगम की कार्यप्रणाली को लेकर खूब नाराजगी है। ज्यादा दिन नहीं बीते सेक्टर 14 स्थित वेगस माल में दिल्ली नगर निगम के आयुक्त, नजफगढ़ जोन के उपायुक्त सहित तमाम अधिकारी स्वच्छता अभियान से जुड़े एक कार्यक्रम में आए और स्वच्छता को लेकर बड़ी बड़ी बातें कह चलते बने। इस माल से तकरीबन 500 मीटर से भी कम की दूरी पर कूड़े के ढेर से इस कदर सड़ांध निकल रहा है कि यहां खुले में सांस लेना भी दूभर हो चुका है। पास ही पार्क है, पीपल अपार्टमेंट है, बौद्धिक संपदा भवन है, नेशनल ला यूनिवर्सिटी है। लोगों ने बताया कि यहां कूड़े का ढेर पिछले 10 दिनों से कायम है। आसपास के इलाके से कूड़ा यहां लेकर फेंका जा रहा है।

कूड़ा घर भले ही खाली हो, लेकिन आसपास बड़े क्षेत्र में कूड़े का ढेर पड़ा है। स्थानीय निवासी पूनम का कहना है कि कूड़ा सूखा हो तो केवल धूल एक समस्या होती है, लेकिन यहां गीला कूड़ा लाकर फेंका जा रहा है। यह न सिर्फ स्वच्छता का मजाक है बल्कि स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। यहां से निलकने वाली बदबू पास की आवासीय सोसाइटी तक जा रही है। हवा का हल्का झोंका भी लोगों को खिड़की बंद करने को विवश कर रहा है।

अब अभिषेक बच्चन ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली

बॉलीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन के बाद अब उनके पति अभिनेता अभिषेक बच्चन ने भी अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने हाई कोर्ट से बिना अनुमति उनकी तस्वीर, आवाज और नाम के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की है। कोर्ट ने अभिषेक बच्चन की तरफ से पेश अधिवक्ता को इससे संबंधित यूआरएल की जानकारी पेश करने को कहा, ताकि इसे हटाने के संबंध में गूगल को आदेश दिया जा सके। मंगलवार को ऐश्वर्या बच्चन ने याचिका दायर कर अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा की मांग की थी।

संजय कपूर की तीसरी पत्नी को संपत्ति का पूरा विवरण दाखिल करने का निर्देश

मनीषा
नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने फिल्म अभिनेत्री करिश्मा कपूर के दो बच्चों की ओर से अपने दिवंगत पिता संजय कपूर की 30 हजार करोड़ की संपत्ति में हिस्सेदारी की मांग वाली याचिका पर आज सुनवाई की। जस्टिस ज्योति सिंह की बेंच ने संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया कपूर को संपत्ति का पूर्ण विवरण दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 9 अक्टूबर को होगी। करिश्मा कपूर ने दोनों बच्चों के अभिभावक के रुप में

दिवंगत पिता संजय कपूर की 30 हजार करोड़ की संपत्ति में हिस्सेदारी की मांग की

उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है। याचिका में संजय कपूर की तीसरी पत्नी प्रिया कपूर पर संजय कपूर की वसीयत से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया गया है। याचिका में कहा गया है कि प्रिया कपूर संजय कपूर की वसीयत से छेड़छाड़ कर उनकी

पूरी संपत्ति पर अपना नियंत्रण चाहती हैं। यही वजह है कि संजय कपूर के वसीयत में करिश्मा कपूर के बच्चों को कोई हक नहीं दिया गया है। संजय कपूर की वसीयत 21 मार्च 2025 की बतायी जा रही है। इसके मुताबिक संजय कपूर की पूरी संपत्ति प्रिया कपूर की होगी। उच्च न्यायालय में दायर याचिका में कहा गया है कि प्रिया कपूर ने इस वसीयत को संजय कपूर की मौत के सात हफ्तों तक छिपाए रखा। वसीयत का खुलासा 30 जुलाई को एक पारिवारिक बैठक के दौरान की गयी। संजय कपूर की मौत 12 जून को पोलो खेलने के दौरान ब्रिटेन के विंडसर में हुई थी। याचिका में करिश्मा कपूर के बच्चों ने कहा है कि उनका संजय कपूर से काफी नजदीकी रिश्ता था और वे अक्सर छुट्टियों में जाकर उनसे मिलते थे। संजय कपूर अपने बच्चों को बेहतर भविष्य और वित्तीय सुरक्षा का हमेशा ही आश्वासन देते थे। याचिका में करिश्मा कपूर के बच्चों ने मांग की है कि उन्हें संजय कपूर का प्रथम श्रेणी का उत्तराधिकारी घोषित किया जाए और संजय कपूर की संपत्ति में से उन्हें पांचवें हिस्से का अधिकार दिया जाए। इसके साथ ही इस याचिका के निस्तारण तक संजय कपूर की व्यक्तिगत संपत्तियों को फ्रीज किए जाने की भी मांग की गयी है।

पुलिस के हत्थे चढ़े अवैध हथियार सप्लाई करने वाले तीन शातिर

उनके पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल और एक देसी कट्टा बरामद हुआ

नई दिल्ली

दिल्ली में दक्षिणी जिला पुलिस की एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वाड ने अवैध हथियार सप्लाई करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से दो सेमी-ऑटोमैटिक पिस्टल, एक देसी कट्टा और पांच कारतूस बरामद किए हैं।आरोपितों की पहचान मालवीय नगर निवासी फरमान, मौजपुर निवासी मोहसिन और अंबेडकर नगर निवासी शादाब कुरैशी के रूप में हुई है। आरोपितों ने सोशल मीडिया पर हवा में फायरिंग करते हुए वीडियो डाला था, जिसके बाद पुलिस ने इनके नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि तीन सितंबर को सोशल मीडिया पर एक युवक ने सार्वजनिक रूप से फायरिंग करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था।

दक्षिण के राज्यों से जुड़े बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह के तार

हैदराबाद और चेन्नई में बेचे गए बच्चे, फर्जी दस्तावेज का इस्तेमाल कर तस्करी

नई दिल्ली

नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह के तार दक्षिण के राज्यों से भी जुड़ रहे हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस को पता चला है कि गिरोह ने हैदराबाद और चेन्नई में भी निसंतान दंपतियों को बच्चे बेच रखे हैं। हालांकि, पुलिस अभी इस बारे में ज्यादा कुछ बताने से बच रही है।

उम्मीद है कि इस मामले में जल्द

ही और भी गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं, जिसके बाद उनकी निशानदेही पर भी बेचे गए बच्चे बरामद किए जाएंगे। पुलिस के अनुसार, इस गिरोह के सरगना सुंदर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव होने के कारण अक्सर उत्तर प्रदेश के फतेहाबाद और आगरा के आसपास छोटे कस्बों में क्लीनिक चलाने वाले डॉक्टरों से मिलता था, पुलिस उनकी भी जांच कर रही है। इस तरह उसने कई जगह अपना नेटवर्क बना रखा था।

दक्षिण भारत में बच्चों को बेचने में भी इसकी भूमिका सामने आ रही है। ऐसे में पुलिस जांच कर रही है कि दक्षिण के राज्यों में किस नेटवर्क के माध्यम से बच्चे बेचे गए हैं। आरोपितों को बिल्कुल उम्मीद नहीं थी कि पुलिस उन तक पहुंच पाएगी। इसके लिए ये लोग गोद देने के दस्तावेज भी फर्जी बनवाते थे ताकि कहीं कोई सबूत न मिले। इस कारण ही पिछले तीन साल से गिरोह धड़ल्ले से बच्चों की तस्करी कर रहा था और अभी तक पकड़ा नहीं गया था। ऐसे में उत्तर भारत के साथ ही इन्होंने दक्षिण के राज्यों में भी अपना नेटवर्क बढ़ाना शुरू किया था।

रामबन ने बेची थी अपनी बेटी, पुलिस कर रही तलाश

सराय काले खां बस अड्डे से बच्चा चोरी करने के मामले में पुलिस डा. कमलेश के लिए काम करने वाले रामबरन की तलाश कर रही है। आरोपित की तलाश में यूपी के कई जिलों में छापेमारी की जा रही है। रामबरन ने ही अपने चाचा के लड़के वीरभान को बच्चा चुराने के लिए कहा था। उसने उनसे वह बच्चा डेढ़ लाख रुपये में खरीदा था। पुलिस के अनुसार, रामबरन के चार बच्चे हैं। पिछले साल उसकी पांचवीं बेटी हुई थी, जिसे उसने बेच दिया था।

डीयू छात्रा के सामने चलते कार में किया मास्टरबेशन

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने मॉरिस नगर क्षेत्र में एक कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। कैब चालक पर गाड़ी चलाने के दौरान हस्तमैथुन करने का आरोप है। छात्रा की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की और कार चालक समेत कैब को भी जब्त कर लिया है।

बवाना में मिली शख्स की लाश

नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली के बवाना थाना क्षेत्र में सड़क किनारे एक 50 वर्षीय शख्स का शव पड़ा मिला। राहगीरों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया है। मृतक के पास से कोई शिनाख्ती कागजात नहीं मिले हैं, जिससे की उसकी पहचान हो सके। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक शव मिलने

के स्थान के आसपास पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस यह पता करने की कोशिश कर रही है कि आखिर यह शख्स यहां तक कैसे पहुंचा। वहीं, आसपास के लोगों के अलावा बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्ट्रियों में भी पुलिस शख्स के बारे में जानकारी जुटा रही है।

बवाना में दो गुटों के बीच हुई चाकूबाजी, दो लोगों की मौत

नई दिल्ली

बाहरी दिल्ली में बवाना जेजे कालोनी में दो पक्षों में हुई चाकूबाजी में तीन लोग घायल हो गए। आनन-फानन में सभी घायलों को पास के ही अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत गंभीर देख सभी को दूसरे अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जहां इलाज के दौरान दोनों पक्षों के दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों की शिनाख्त रहीमुल और इमरान के रूप में हुई है।

दिल्ली में 26 करोड़ की परियोजना को मंजूरी: बिधूड़ी

जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए 26 करोड़ की परियोजना को मंजूरी

नई दिल्ली

दक्षिणी दिल्ली में बदरपुर गांव से बॉर्डर तक जल्द लोगों को जलभराव से निजात मिलने की उम्मीद है। दरअसल, केंद्र सरकार ने दक्षिण दिल्ली इलाके में बदरपुर गांव से बदरपुर बॉर्डर तक एनएचएआइ के

तहत आने वाले मथुरा रोड पर नाला बनाने के लिए 26 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर कर दी है। इस नाले के निर्माण कार्य का शुभारंभ 27 सितंबर को किया जाएगा। इसी के तहत फुटओवर ब्रिज का भी उद्घाटन होगा, जोकि दिल्ली को हरियाणा से जोड़ता है। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। बिधूड़ी ने बताया कि मंत्री ने मथुरा रोड पर 26 करोड़ रुपये की लागत से नाला बनाने की मंजूरी देते हुए धनराशि स्वीकृत कर दी है। इस नाले के निर्माण से इलाके में होने वाले जलभराव से राहत मिलेगी। इसी के साथ मोलडबंद में बनाए गए फुटओवर ब्रिज का भी उद्घाटन किया जाएगा।

दिल्ली से करनाल के बीच रैपिड रेल प्रोजेक्ट को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली

दिल्ली से करनाल के बीच बहुप्रतीक्षित रैपिड रेल परियोजना का निर्माण कार्य जल्दी ही शुरू होने जा रहा है। इस परियोजना के लिए नेशनल हाईवे पर सोनीपत, पानीपत और करनाल में कार्यालय बनाने के लिए जगह की तलाश की जा रही है। परियोजना का एलिवेटिड मार्ग नेशनल हाईवे-44 से यमुना की ओर बनाया जाएगा। वहीं, कुंडली में मेट्रो स्टेशन के पास ही रैपिड रेल का स्टेशन होगा। दोनों स्टेशनों को जोड़ने के लिए नेशनल हाईवे के ऊपर फुट

ओवरब्रिज का निर्माण किया जाएगा। ऐसे ही आवश्यकतानुसार और स्थानों पर भी एफओबी का निर्माण नियमानुसार किया जा सकता है। ड्रेन नंबर आठ के पास सुधीर ढाबे के पास बनाया जाएगा रैपिड रेल का पहला स्टेशन।

परियोजना के लिए करनाल में कार्यालय बनाने के लिए जगह की तलाश की जा रही

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ट्रांसपोर्ट कापोरेशन के तहसीलदार जयवीर रंगा ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर हाई स्पीड रैपिड ट्रेन परियोजना दिल्ली के जंगपुरा से शुरू होगी।

वहां से सराय काले खां होते हुए कश्मीरी गेट आइएसबीटी और अलीपुर से होते हुए कुंडली तक पहुंचेगी। करनाल तक 129 किलोमीटर के मार्ग का अधिकांश हिस्सा एलिवेटिड होगा। पानीपत में मार्ग अंडरग्राउंड होगा।

पांच साल में पूरा होगा प्रोजेक्ट

जयवीर रंगा ने बताया कि प्रोजेक्ट के लिए कार्यालय बनाने में सरकारी भवनों को तरजीह दी जाएगी। परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी। पांच वर्षों में पूरी की जाने वाली इस परियोजना के अगले वित्त वर्ष से पहले शुरू होने की संभावना है।

दिल्ली से रांची तक रेड: 12 जगहों पर छापेमारी, आठ दहशतगर्द गिरफ्तार

लगभग 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है

नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने झारखंड एटीएस और रांची पुलिस के संयुक्त अभियान में रांची के इस्लामनगर इलाके से एक आईएसआईएस संदिग्ध आतंकवादी अजहर दानिश को

गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ दिल्ली में एक मामला दर्ज था, जिसके आधार पर दिल्ली स्पेशल सेल उसकी तलाश कर रही थी। गिरफ्तार कर आरोपी से पूछताछ की जा रही है। दिल्ली पुलिस सूत्र से मिली जानकारी के मुताबित, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों की संयुक्त छापेमारी में एक और संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार किया गया। 12 जगहों पर छापेमारी चल रही है।

लगभग 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने आतंकी संगठन आईएसआईएस के बड़े मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है।

चेहरे के साथ हाथ-पैर भी चमकेंगे, महीनों चलेगा एक बार बनाया गया ये उबटन

उबटन को कई नेचुरल चीजों से मिलाकर बनाया जाता है, इसलिए ये आपकी त्वचा के लिए बेहतरीन रहता है. इसका रोजाना इस्तेमाल फेस के साथ हाथ-पैरों की त्वचा को भी सही रखता है. जान लेते हैं उबटन बनाने का तरीका जो एक बार बनाने के बाद महीनों तक चलेगा.

चेहरे की देखभाल पर तो ज्यादातर लोग ध्यान देते हैं, लेकिन हाथ-पैरों को इग्नोर कर देते हैं, जबकि पूरी बॉडी की स्किन केयर करना भी उतना ही जरूरी होता है. चेहरे के अलावा हमारे हाथ-पैर भी अच्छे दिखना जरूरी होता है, क्योंकि ये पर्सनैलिटी का अहम हिस्सा है. धूप, धूल और पॉल्यूशन का असर चेहरे के साथ शरीर के उन हिस्सों पर भी समान रूप से होता है जो ज्यादातर खुले रहते हैं. इससे त्वचा में रूखापन हो जाता है और स्किन बेजान दिखने लगती है. नियमित गहराई से सफाई, मॉइस्चराइजिंग से आप हाथ-पैरों की त्वचा को भी हेल्दी रख सकते हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों को ये झंझट भरा काम लगता है, इसलिए हम जानेंगे एक ऐसा उबटन बनाने का तरीका जिसे आप महीनों तक यूज कर सकते हैं. ये उबटन त्वचा की रंगत भी निखारेगा.

भारतीय घरों में उबटन का इस्तेमाल बहुत पहले से किया जाता रहा है. नहाने से पहले इसे रेगुलर आफ अपनी स्किन पर लगा सकते हैं. इससे त्वचा गहराई से साफ होती है और हेल्दी भी रहती है. ये स्क्रब से लेकर मॉइस्चराइजर तक का काम करता है. चलिए जान लेते हैं उबटन बनाने का तरीका.

सारा ने इस क्रिकेटर से की सगाई, बीच समंदर में किया प्रपोज़

सफेद शर्ट में कन्फ्यूज हुए किलर, जिसकी ली थी सुपारी, उसके बगल में बैठे युवक को मार दी गोली... 6 अरेस्ट

क्या चाहिए होंगे इनग्रेडिएंट?

उबटन बनाने के लिए आपको चाहिए होगी मसूर की दाल, मुल्तानी मिट्टी, बेसन, हल्दी, चंदन पाउडर. संतरा के सूखे छिलके. ये सारी चीजें त्वचा की रंगत निखारने से लेकर डेड स्किन सेल्स को रिमूव करने, ग्लो बढ़ाने का काम करते हैं और आप कई स्किन प्रॉब्लम से भी बचे रहते हैं. चलिए जान लेते हैं बनाने का तरीका.

इस तरह बनाएं ये उबटन पाउडर

मसूर की दाल को मिक्सी में पीस लें, इसके साथ ही मुल्तानी मिट्टी को पीसकर भी पाउडर बना लें या मार्केट से इसे पिसा हुआ ही खरीद सकते हैं. संतरा के छिलकों को भी पीसकर पाउडर बना लें. इसके बाद एक बाउल में मसूर दाल, मुल्तानी मिट्टी, चंदन पाउडर, संतरा पाउडर समेत सारी चीजों को बराबर मात्रा में मिला लें, लेकिन हल्दी सिर्फ एक चम्मच ही काफी रहेगी. कोशिश करें कि हल्दी भी घर पर ही पीसें, मार्केट के हल्दी पाउडर में कलर मिला हुआ होता है, जो नुकसानदायक हो सकता है. इस पाउडर को किसी एयरटाइट कंटेनर में भरकर रख लें.

जान लें उबटन तैयार कैसे करें

जब भी आपको उबटन लगाना हो तो जरूरत के मुताबिक, इसे किसी बाउल में निकालकर इसमें गुलाब जल, दूध एड करें साथ ही थोड़ा सा नारियल या फिर बादाम का तेल मिलाकर पेस्ट जैसा तैयार कर लें, इसे चेहरे समेत पूरी बॉडी पर लगा सकते हैं. आधे घंटे बाद सर्कुलर मोशन में मसाज करते हुए उबटन छुड़ा लें और शॉवर लें. ये उबटन का पाउडर कई महीनों तक खराब नहीं होता है.

सतही बयानबाज़ी, गहराई में साझेदारी: भारत-अमेरिका रिश्तों का नया संतुलन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की कुछ नीतिगत पसंदों पर असहमति जताते हुए हाल में भारत को लेकर तीखे बयान दिए—यहां तक कि कहा कि 'अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथ खो दिया है

कूटनीतिक बयानबाज़ी और तनाव के बीच भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताएं निरंतर आगे बढ़ रही हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आशा जताई है कि नवंबर तक समझौता संभव है, जबकि विदेश मंत्रालय ने पीटर नवारो की तीखी टिप्पणियों की नरम आलोचना करते हुए दोहराया कि यह रिश्ता पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित है। अलास्का में संयुक्त सैन्य अभ्यास इस साझेदारी की मज़बूत नींव का प्रतीक है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत की कुछ नीतिगत पसंदों पर असहमति जताते हुए हाल में भारत को लेकर तीखे बयान दिए—यहां तक कि कहा कि %अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथ खो दिया है।% इस दौरान अमेरिकी अधिकारियों ने भारत के रूसी तेल आयात और शुल्क नीति पर कड़ी आलोचना की। परंतु अब ट्रम्प ने नरम रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री मोदी को अपना दोस्त, महान नेता% कहा और भारत-अमेरिका रिश्तों को हमेशा विशेष% बताया। ऐसा कहकर उन्होंने राजनीतिक बर्फ को पिघलाने के संकेत दिए हैं।प्रधानमंत्री मोदी ने भी राष्ट्रपति ट्रम्प के पुराने बयानों का कोई प्रतिरोध नहीं किया। इसके बजाय उन्होंने ताज़ा सकारात्मक संदेश को गर्मजोशी के साथ आगे बढ़ाया और भविष्य-दृष्टि संपन्न व्यापक सामरिक साझेदारी की बात कही। मोदी ने आगे भारत-अमेरिका संबंधों को सकारात्मक और भविष्य-दृष्टि संपन्न व्यापक एवं वैश्विक सामरिक साझेदारी बताया।क्या यह परिवर्तन भारत-अमेरिका संबंधों में राजनयिक पुनर्संतुलन की शुरुआत है, या फिर ट्रम्प की अप्रत्याशित विदेश नीति का केवल एक और रणनीतिक मोड़?ट्रम्प का बयान कि %अमेरिका ने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है% दरअसल भारत की स्वतंत्र विदेश नीति से जुड़ी अमेरिकी हताशा का संकेत था। उनके सहयोगी पीटर नवारो और हॉवर्ड लटनिक ने भी भारत की आलोचना की—कभी ऊंचे शुल्कों के लिए, कभी सस्ते रूसी तेल ख़रीदने के लिए, तो कभी अमेरिका-चीन-रूस शक्ति संतुलन में उसकी तथाकथित तटस्थता के लिए। इन तीखे बयानों ने स्वाभाविक रूप से भारत-अमेरिका रिश्तों को लेकर चिंता बढ़ाई।इसके बावजूद भारत ने अपने मूल हितों पर झुकने से इंकार किया है—चाहे रूसी तेल की खरीद हो, कृषि क्षेत्र में अमेरिकी दबाव का प्रतिरोध हो या पाकिस्तान पर अमेरिकी टिप्पणियों को नज़रअंदाज़ करना।

इन घटनाओं के पीछे गहरे भू-राजनीतिक तनाव और प्रचार-प्रसार की छायाएं हैं। भारत में यह धारणा प्रबल है कि अमेरिका, भारत की रूस के साथ निरंतर साझेदारी और चीन के साथ हाल के संपर्कों से असहज है। चीन यात्रा के दौरान पुतिन और शी के साथ प्रधानमंत्री मोदी की निकटता ने भी यही संदेश दिया कि भारत अपनी कूटनीतिक प्राथमिकताओं को स्वयं तय करेगा।दरअसल, मोदी सरकार ने नेहरू युग की गुटनिरपेक्षता और तटस्थता की पारंपरिक नीति से आगे बढ़कर बहुपक्षीय रणनीति अपनाई है। उसका तर्क है कि बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भारत बहु-सरेखीय विश्व व्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार निर्णय लेगा। इस दृष्टिकोण के तहत विदेश मंत्रालय कई बार विवादित वैश्विक घटनाओं पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज़ करता है, ताकि प्रमुख महाशक्तियों—रूस, अमेरिका और चीन—के साथ संतुलित संबंध बनाए रखे जा सकें। यही कारण है कि इन महाशक्तियों को अक्सर भारत की इस स्वतंत्र कूटनीति से असुविधा होती है।

कूटनीतिक बयानबाज़ी और तनाव के बीच भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताएं निरंतर आगे बढ़ रही हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आशा जताई है कि नवंबर तक समझौता संभव है, जबकि विदेश मंत्रालय ने पीटर नवारो की तीखी टिप्पणियों की नरम आलोचना करते हुए दोहराया कि यह रिश्ता पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित है। अलास्का में संयुक्त सैन्य अभ्यास इस साझेदारी की मज़बूत नींव का प्रतीक है। स्पष्ट है कि सतही उतार-चढ़ाव के बावजूद दोनों देशों के बीच आर्थिक और रणनीतिक संवाद गहराई से संस्थागत है और सहजता से प्रभावित नहीं हो सकता।

भारत के लिए रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी—विशेषकर कृषि—के क्षेत्र में अमेरिका के साथ संबंध गहराना राष्ट्रीय हित में है। देश के भीतर भी आम सहमति यही है कि अमेरिका से जुड़ाव संतुलन और सावधानी के साथ होना चाहिए। इसी कारण कृषि व्यापार वार्ता में गतिरोध पर कृषि मंत्री ने सार्वजनिक टिप्पणी से परहेज़ किया, रूस से तेल आयात पर औपचारिक प्रतिक्रिया पेट्रोलियम मंत्रालय की बजाय वित्त मंत्री ने दी, और विपक्ष ने भी अमेरिकी कपास के आयात को दिसंबर तक बढ़ाए जाने का गंभीर विरोध नहीं किया।ट्रम्प और मोदी के बीच हाल की मित्रतापूर्ण अभिव्यक्तियां कूटनीतिक माहौल को नया आयाम दे सकती हैं। संभावित व्यापार समझौते और सैन्य सहयोग की निरंतरता यह संकेत देती है कि दोनों पक्ष रिश्तों को स्थिर बनाए रखने के इच्छुक हैं। साथ ही भारत को अपने राष्ट्रीय हितों को साधते हुए रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखनी होगी तथा रूस, चीन और पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को संतुलित करने के प्रयास जारी रखने होंगे। मोदी समर्थकों व भारतीय मीडिया को भी अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीतिक पहलों पर संतुलित टिप्पणी करनी चाहिए। राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति उसे हल्का और सतही बना देती है। वैश्विक मंच पर जब भारत एक रणनीतिक संतुलन साध रहा है, तब मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह विचारशील विश्लेषण प्रस्तुत करे, न कि भावनात्मक प्रतिक्रियाएं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए आवश्यक है कि वे वैश्विक नेताओं, विशेषकर महाशक्तियों, के साथ संवाद के द्वार सदैव खुले रखें। हालांकि ऐसी चर्चाएं हैं कि शुल्क विवाद के चलते प्रधानमंत्री मोदी न्यूयॉर्क में होने वाली संयुक्त राष्ट्र महासभा और ब्रिक्स बैठक में शामिल नहीं होंगे। यह निर्णय भारत की वैश्विक उपस्थिति पर प्रश्नचिह्न खड़े कर सकता है और संभवत- पुनर्विचार की अपेक्षा करता है। अतीत में भी मोदी का चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के नेतृत्व के साथ संवाद से परहेज़ चर्चा का विषय रहा है। विदेश नीति में सतत संवाद और लचीलेपन का अभाव भारत की कूटनीतिक परिपक्वता पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है।सतही बयानबाज़ी और तनावों के बावजूद भारत-अमेरिका संबंधों की गहराई और संस्थागत मजबूती की आशा कायम है। कृषि व्यापार जैसे विवादित मुद्दों पर भी समाधान की संभावना बनी हुई है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने कृषि बाज़ार खोले, जबकि भारत अपनी राजनीतिक संवेदनशीलताओं के कारण सतर्क है। संभव है कि दोनों नेताओं की व्यक्तिगत समझ ने इस संतुलन को आकार दिया हो। ट्रम्प भी जानते हैं कि मोदी यदि कृषि में जल्दबाज़ी करें तो उन्हें घरेलू राजनीतिक कठिनाइयां हो सकती हैं। इसलिए यह घटनाक्रम केवल कूटनीतिक उतार-चढ़ाव का परिणाम नहीं, बल्कि दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच एक व्यावहारिक समझौते और पारस्परिक सहमति का भी द्योतक है—जहां अमेरिका भारत की राजनीतिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखते हुए दबाव कम कर रहा है और भारत रिश्तों को सकारात्मक बनाए रखने के लिए संवाद की राह खुली रखे हुए है।

संपादकीय

दु:खी युवा पीढ़ी

दशकों मान्यता रही है कि समाज का मिडल ऐज ग्रुप दुःखी व तनाव में और युवा व बुजुर्ग प्रसन्न रहते हैं। लेकिन हालिया प्रकाशित एक अध्ययन ने बताया कि दुःख की शुरुआत अब युवा अवस्था में हो रही है। अमेरिका, ब्रिटेन, एशिया, अफ्रीका समेत मध्यपूर्व के 44 देशों में यह ट्रेंड देखा गया है। जिसमें भविष्य की अनिश्चितता व कार्य परिस्थितियों का दबाव तो है मगर बड़ा कारक सोशल मीडिया बताया जा रहा है। दरअसल, लगातार सोशल मीडिया से जुड़े रहने और यथार्थ से दूर रहने के कारण युवा जीवन की वास्तविक स्थितियों का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। आभासी मीडिया उन्हें बड़े-बड़े सपने तो दिखाता है, लेकिन जीवन की कठोर सच्चाई से अवगत नहीं कराता है। यही वजह है कि जहां पहले मिड ऐज ग्रुप यानी 40 से 50 आयु वर्ग दुखी माना जाता था, उसके स्थान पर दुःख की शुरुआत अब युवा उम्र से ही होने लगी है। हालिया, ग्लोबल माइंड प्रोजेक्ट के आंकड़ों में, अफ्रीका, यूरोप, लैटिन अमेरिका, एशिया, अमेरिका व मिडल ईस्ट के 44 देशों का अध्ययन बताता है कि बुजुर्गों की तुलना में युवाओं का मानसिक स्वास्थ्य ज्यादा खराब है। वेब आधारित इस सर्वे में पर्याप्त डेटा जुटाया गया था। जो बताता है कि यह ट्रेंड केवल विकसित देशों में ही नहीं है, बल्कि वैश्विक स्तर पर है। आंकड़े बताते हैं कि हर नई पीढ़ी अब पहली के मुकाबले ज्यादा तनाव में है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिका व ब्रिटेन में किए गए एक अन्य सर्वे में कम पढ़े-लिखे युवा कर्मियों में अवसाद ज्यादा पाया गया है। पहले मान्यता रही है कि नौकरीपेशा लोगों में नौकरी मिलने के बाद तनाव कम होता है,लेकिन आज हकीकत ठीक इसके विपरीत है। ब्रिटेन के एक सर्वे में कहा गया है कि साल 2016 के बाद चालीस से कम उम्र के युवाओं में चिंता व अवसाद पहले के मुकाबले ज्यादा हो गया है। वैसे यह भी हकीकत है कि जिन देशों में रोजगार की स्थिति बेहतर है,वहां मानसिक सेहत में सुधार हुआ है।

दरअसल, तमाम अध्ययन बता रहे हैं कि सोशल मीडिया में लगातार सक्रियता युवाओं को वास्तविक सामाजिक जीवन से दूर कर रही है। वे कृत्रिम जीवन में जी रहे हैं। जब हम समाज व मित्रों के बीच सक्रिय रहते हैं तो बातचीत से तनाव मुक्त रह सकते हैं। देर रात तक सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने से युवाओं का नींद का चक्र बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। आभासी मित्रता के बजाय आमने-सामने की बातचीत सेहत के लिये ज्यादा लाभकारी होती है। यह जीवन की हकीकत है कि हमारे जीवन में योगदान देने वालों के प्रति यदि हम कृतज्ञता का भाव रखते हैं तो हमारा जीवन- व्यवहार सहज हो जाता है।

मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि हम जिन चीजों के प्रति कृतज्ञ हैं, उनके बारे में लिखने से हमारा नजरिया बदलता है। हमारा मानसिक स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हमारी दिनचर्या कितनी अनुशासित व संतुलित है। रात को जल्दी सो जाने और सूर्योदय के साथ उठने से हम दिनभर प्रफुल्लित रह सकते हैं। विडंबना यह भी कि सोशल मीडिया पर आधुनिक जीवन की जो चमक-दमक दिखायी जाती है,युवा उसको पाने की आकांक्षा करने लगते हैं। लेकिन जीवन का यथार्थ कठोर है। निस्संदेह, वैज्ञानिक उन्नति व तकनीकी विकास से पूरी दुनिया में रोजगार के अवसरों का संकुचन हुआ है। श्रम आधारित उद्योगों के बजाय कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले उद्योगों के बढ़ने से यह स्थिति पैदा हुई है।

साथ ही नौकरियों में अस्थिरता व असुरक्षा के चलते भविष्य को लेकर जो अनिश्चितता पैदा होती है, उससे युवाओं में तनाव की वृद्धि होती है। भौतिकवादी नजरिये के चलते आज के युवा जिस जीवनशैली की आकांक्षा रखते हैं, वह पूरी न होने पर भी वे डिप्रेशन के शिकार बन जाते हैं। युवाओं को जीवन के कठोर यथार्थ से जूझने का संबल देना वक्त की जरूरत है। असीमित आकांक्षाओं व जीवन के यथार्थ में साम्य स्थापित करना तमाम समस्याओं का समाधान देता है। सोशल मीडिया से सुरक्षित दूरी इसमें मददगार साबित हो सकती है।

जीएसटी 2.0 की सफलता केंद्रीय और राज्य दोनों बजटों के लिए हो सकती है मददगार

जीएसटी परिषद द्वारा 4 सितंबर की बैठक में पेश किए गए जीएसटी सुधार पूरे देश के लिए एक मेगा बजट है

दरों में व्यापक-सीमाओं के लिए औचित्य और जीएसटी संरचना के स्लैब को कम करने का प्रयास किया गया लेकिन क्या यह कर दरों के स्लैब के समेकन का एक वादा पूरा करता है? यह कराधान के समग्र सुधारों का हिस्सा है जो 2017 में जीएसटी की शुरूआत के साथ किया गया था। उस समय देश केंद्र और राज्यों के कई कर अधिकार क्षेत्रों में विभाजित था, जिन्हें एक समान कर कोड में समेकित किया गया था - जिसे जीएसटी नाम दिया गया।जीएसटी परिषद द्वारा 4 सितंबर की बैठक में पेश किए गए जीएसटी सुधार पूरे देश के लिए एक मेगा बजट है। यह केंद्र सरकार के बजट के साथ-साथ राज्यों के बजट के लिए निर्धारित कारक होगा।माल और सेवा कर, संक्षेप में जीएसटी,ने एक छतरी के नीचे सभी अप्रत्यक्ष करों को समेकित किया था और अब इसमें केंद्र और राज्यों दोनों के कुल राजस्व का एक प्रमुख खंड शामिल है।

दरों में व्यापक-सीमाओं के लिए औचित्य और जीएसटी संरचना के स्लैब को कम करने का प्रयास किया गया लेकिन क्या यह कर दरों के स्लैब के समेकन का एक वादा पूरा करता है?यह कराधान के समग्र सुधारों का हिस्सा है जो 2017 में जीएसटी की शुरूआत के साथ किया गया था। उस समय देश केंद्र और राज्यों के कई कर अधिकार क्षेत्रों में विभाजित था, जिन्हें एक समान कर कोड में समेकित किया गया था - जिसे जीएसटी नाम दिया गया।

इसके परिचय के समय, केवल दो कर स्लैब होने का वादा किया गया था। हालांकि, व्यावहारिक विचारों ने कुल चार स्लैब की अनुमति दी, भविष्य में दो स्लैब संरचना में पहुंचने के एक उद्देश्य के साथ। वर्तमान अभ्यास, वस्तुत- एक दो-स्लैब संरचना का परिचय देता है- 5फीसदी, 12फीसदी, 18फीसदी और एक बाहरी 40फीसदी (जिसे एक पाप कर कहा जाता है)।औसतन, जीएसटी राजस्व राज्यों और केंद्र के कुल राजस्व का 44फीसदी है। अधिक केन्द्रित दृष्टिकोण यह है कि जीएसटी राज्यों के राजस्व के इससे भी बड़े हिस्से के लिए भी जिम्मेदार होगा। दरों के पुनरावर्तन से केंद्र की तुलना में राज्य के वित्त को अधिक चोट पहुंचने की उम्मीद की जा सकती है।

चूंकि जीएसटी के लिए दरों को जीएसटी परिषद द्वारा तय किया जा सकता है और न कि केंद्र या राज्य सरकारों द्वारा एकतरफा रूप से। इस प्रकार ये घोषणाएं एक लौह मजबूती प्रदान करती हैं जिसके भीतर बजटबनाना होगा। सुधार किये गये जीएसटी के बारे में नवीनतम घोषणा के साथ, यह बजट के लिए मूल खाका प्रदान करेगा।जीएसटी स्लैब युक्तिकरण की घोषणा समतुल्य रूप से जीएसटी 2.0 के रूप में संदर्भित है जो पूर्व बजट के समान लग रहा था। कर समायोजन की बजट घोषणाएं सामान्य उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में परिलक्षित होती थीं, जो ऊपर या नीचे जा रही थीं। सिगरेट की कीमतें ऊपर होंगी और बिड़ीस को नीचे कर देंगी; एसी ऊपर और डीजल नीचे चली जायेंगी इत्यादि।अब इन परिवर्तनों को पेश करने का तर्क क्या है? - जैसे, अभ्यास स्लैब में कमी और अन्य सुधारों को साथ में लागू करना के मामलों में। इन परिवर्तनों को लागू करने की तात्कालिकता एक समकालीन तर्क है।उम्मीद है, स्लैब पुनर्गठन और लेखों की एक विस्तृत संख्या की कर दरों को कम करने से खपत को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह विशेष रूप से प्रासंगिक है क्योंकि भारतीय निर्यात के गंभीर बाधाओं से टकराने की आशंका है।ट्रम्प टैरिफ, जिनमें से संयुक्त कर 50 फीसदी के रूप में अधिक हो सकती हैं, भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजारों से बाहर निकाल सकती हैं। कई प्रमुख निर्यात वस्तुओं के लिए, जैसे कि, वस्त्र और कपड़ा आइटम, पहले से ही क्रंच महसूस कर रहे हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, इन खंडों में रोजगार काफी गिर रहा है।कर कटौती मुख्य रूप से माल की घरेलू मांग को बढ़ाने में मदद करेगी और इस प्रकार विदेशों में बाजारों के नुकसान की भरपाई करेगी। यह वही तर्क है जिसे पहले भी कई बार दिया गया है, जैसे कि अमेरिका केरीगन शासनकाल के समय में। अमेरिकी कर कटौती ने तब अपनी अर्थव्यवस्था के लिए अद्भुत काम किया था।इसलिए, वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण को उम्मीद है कि मोटर कारों से लेकर दूध उत्पादों तक विभिन्न उत्पादों पर कर कटौती घरेलू मांग को बढ़ावा देगी। प्रधानमंत्री भी उसी तर्क पर टेक लगा रहे हैं कि सरकार उपभोग की वस्तुओं पर खर्च करने के लिए दरें कम कर लोगों के पास अधिक पैसा छोड़ रही है।इससे देश में खपत बढ़ेगी तथा उसका लाभ अर्थव्यवस्था को गतिशील करने में मिलेगा।अधिक खपत को उच्च मांग को पूरा करने के लिए उत्पादकों द्वारा बड़े निवेश को आकर्षित करना संभव हो सकेगा जिसके परिणामस्वरूप उच्च रोजगार और विकास का एक नया चक्र शुरु होगा।अब वैसे लोग जो सोचते हैं कि सब कुछ व्यक्ति अपने लाभ के लिए करता है, इस जीएसटी सुधार की आलोचना में आगे आ सकते हैं। भारतीय निजी क्षेत्र और उद्यमियों के व्यवहार को ध्यान में रखते हुए, वे कहते हैं कि पिछले उच्च मांग से जरूरी नहीं कि बड़े निवेश, रोजगार और विकास में गति आये। यहां तक कि हाल के वर्षों में, निजी निवेश पिछड़ रहे हैं और वास्तव में अर्थव्यवस्था को गति तो केवल बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में सरकार द्वारा सार्वजनिक निवेश के कारण आई।बढ़ती मांग के सामने अगर आपूर्ति मेल नहीं खाती है, तो अपरिहार्य परिणाम मुद्रास्फीति हो सकती है। अधिक से अधिक खपत के बाद उच्च मुद्रास्फीति एक आत्मघाती शातिर चक्र भी बन सकती है और समग्र संतुलन को परेशान कर सकती है। यह निश्चित रूप से संभावनाओं में से एक है, जिसमें इसके उल्टा भी शामिल है।वास्तव में, यह मानने के कारण हैं कि दिन-प्रतिदिन के उपभोग्य सामग्री पर करों में एक गहरी कटौती वास्तव में अर्थव्यवस्था को एक पैर प्रदान करेगी और निजी निवेश में बढ़ोतरी एक परिणाम होगा। वर्तमान स्थिति में और अधिक निवेश के अवसर खोले गए हैं और विदेशी कंपनियों की एक विशाल भारतीय बाजार में निवेश करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। हाल ही में मोबाइल फोन तथा मोटर कारों में आई विदेशी कंपनियां उदाहरण हैं।ये वैश्विक खिलाड़ी विश्व मानकों के देश में एक नए वर्ग का निर्माण कर रहे हैं और ये देश में अपने स्वयं के बड़े बाजारों के साथ-साथ विश्व स्तर पर भी बाजार पा रहे हैं। वे उच्च आय वाले रोजगार भी पैदा कर रहे हैं।सार्वजनिक वित्त संरचना में सुधारों के वर्तमान दौर को केवल कर सुधारों की तुलना में इस बड़े दृष्टिकोण से देखा जाना चाहिए। इन्हें वर्तमान भू-अर्थव्यवस्था की पृष्ठभूमि और देश के लिए उनके निहितार्थ में भी देखा जाना चाहिए।इस दृष्टिकोण से शुरू किए गए परिवर्तन अच्छी तरह से समय पर हैं और विकास के लिए महत्वपूर्ण बल हो सकते हैं। आइए, आलोचना करने से पहले हम उसका इंतजार करें।

माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों को अगले साल फरवरी से हफ्ते में तीन दिन कार्यालय से करना होगा काम

एजेंसी

वाशिंगटन (अमेरिका)। दुनिया की बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के कर्मचारियों को अगले साल से सप्ताह में कम से कम तीन दिन कार्यालय से ही काम करना होगा। इस योजना को तीन चरणों में लागू किया जाएगा। पहला चरण 2026 में फरवरी से शुरू होगा। माइक्रोसॉफ्ट की कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी एमी कोलमैन ने नौ सितंबर को लिखे ब्लॉग पोस्ट के माध्यम से यह सूचना साझा की। माइक्रोसॉफ्ट के दुनियाभर में 2,20,000 से ज्यादा कर्मचारी हैं। एमी कोलमैन के अनुसार, इसकी शुरुआत वाशिंगटन के रेडमंड स्थित कंपनी के मुख्यालय के पास के कर्मचारियों से होगी। सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण महामारी के बाद घर से काम करने की व्यवस्था शुरू हुई थी। ब्लॉग के अनुसार, मुख्यालय के बाद अमेरिका के अन्य स्थानों और वैश्विक कर्मचारियों के लिए यह योजना लागू की जाएगी।ब्लॉग में कहा गया है कि माइक्रोसॉफ्ट के मुख्यालय के 50 मील के दायरे में रहने वाले कर्मचारियों से फरवरी 2026 के अंत तक हफ्ते में तीन दिन ऑफिस में काम करने की उम्मीद की जाएगी। कोलमैन ने कहा कि अमेरिका स्थिति अन्य कार्यालयों के लिए समय-सीमा और विवरण जल्द ही घोषित किए जाएंगे।

ट्रंप प्रशासन ने दवा कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों पर कानूनी शिकंजा कसा

वाशिंगटन (अमेरिका)। अमेरिका में पहली बार ट्रंप प्रशासन ने दवा कंपनियों के भ्रामक विज्ञापनों पर कानूनी शिकंजा कसा है। अमेरिका दुनिया भर के उन दो देशों में से एक है जो सीधे उपभोक्ता तक पहुंचने वाली दवाओं के विज्ञापनों की अनुमति देता है। दूसरा देश न्यूज़ीलैंड है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके माध्यम से दवा कंपनियों पर विज्ञापनों में पारदर्शिता कानूनों का पालन करने का दबाव डाला गया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि प्रशासन इन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 100 चेतावनी पत्र भेजेगा।एबीसी न्यूज की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासनिक अधिकारियों ने मंगलवार सुबह पत्रकारों कहा कि लक्ष्य पहले से मौजूद कानूनों का इस्तेमाल करके यह सुनिश्चित करना है कि लोगों को दवाओं, खासकर संभावित जोखिम कारकों के बारे में पारदर्शी और सटीक जानकारी मिले। अधिकारियों ने उन दवाओं या उत्पादों की ओर इशारा किया जिनका प्रचार इंस्टाग्राम या टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया साइटों पर होता है। रिपोर्ट के अनुसार, सोशल मीडिया पर दवाओं के प्रचार पर किए गए कई अध्ययनों में पाया गया है कि अकसर दी जाने वाली जानकारी डॉक्टर से बात करने पर मिलने वाली जानकारी से कमतर होती है।

ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ पर निचली अदालत के फैसलों के खिलाफ की अपील, सुप्रीम कोर्ट शीघ्र सुनवाई को तैयार

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ पर निचली अदालत के फैसलों के खिलाफ देश के उच्चतम न्यायालय में अपील की है। उच्चतम न्यायालय ने ट्रंप प्रशासन के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध को स्वीकार कर लिया। निचली अदालत के फैसलों में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के कई व्यापक टैरिफ को अवैध बताया गया है। सीएनबीसी न्यूज चैनल की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि वह नवंबर के पहले सप्ताह में मौखिक दलीलें सुनेगी। उसने इस सत्र के लिए एक घंटे का समय निर्धारित किया। अदालत ने दो अलग-अलग मामलों को एक साथ रखा। पहला मामले का वादी सात छोटे व्यवसाय करता है। दूसरा मामला 12 राज्यों की अपीलों से जुड़ा है। इन पर निचली अदालत का फैसला आ चुका है।ट्रंप प्रशासन ने इनमें से एक मामले में शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि अगर न्यायालय अगले साल जून तक निचली अदालत के न्यायाधीशों के साथ सहमति जताते हुए यह फैसला सुनाता है कि ये शुल्क अवैध हैं, तो ट्रेजरी विभाग को एकत्रित शुल्कों में से 750 अरब डॉलर से 1 ट्रिलियन डॉलर तक वापस करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। उच्चतम न्यायालय की अपील में दांव पर पारस्परिक शुल्क हैं, जिनकी घोषणा ट्रंप ने दो अप्रैल को की थी।

संयुक्त राष्ट्र ने नेपाल में संवाद की पेशकश की, हिंसा से दूर रहने की अपील

काठमांडू। नेपाल में जारी राजनीतिक संकट और हिंसक प्रदर्शनों पर संयुक्त राष्ट्र ने गहरी चिंता जताई है। काठमांडू स्थित यूएन मिशन ने जारी बयान में कहा कि नेपाल आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें संवाद और सहमति ही एकमात्र रास्ता है। संयुक्त राष्ट्र ने आवश्यकता पड़ने पर मध्यस्थता करने की भी पेशकश की है।

हिंसा से दूर रहने की अपील: संयुक्त राष्ट्र ने अपने वक्तव्य में कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सूचना तक पहुंच और शांतिपूर्ण ढंग से सभा करना बुनियादी अधिकार हैं, जिनकी रक्षा नेपाल और अंतरराष्ट्रीय कानून दोनों करते हैं। सभी प्रदर्शनकारियों से अपील की गई है कि वे अपने अधिकारों का प्रयोग शांति और संयम से करें तथा हिंसा से दूर रहें।

सुरक्षा बलों को मानवाधिकार मानकों के पालन का निर्देश

यूएन ने नेपाल की सुरक्षा एजेंसियों से कहा है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दौरान वे मानवाधिकारों के उच्चतम मानकों का पालन करें। किसी भी तरह के बल प्रयोग की घटनाओं की निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए।

नेपाल के बाद फ्रांस भी आग की लपटों में: राष्ट्रपति मैक्रों के खिलाफ प्रदर्शन, 1 लाख लोग सड़कों पर उतरे

एजेंसी

फ्रांस। नेपाल के उग्र प्रदर्शनों के बाद अब फ्रांस भी विरोध की आग में झुलस रहा है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के खिलाफ बुधवार को देशभर में 'ब्लॉक एवरीथिंग' आंदोलन शुरू हो गया, जिसमें लगभग एक लाख लोग सड़कों पर उतर आए। पेरिस समेत कई शहरों में आगजनी, तोड़फोड़ और नारेबाजी से हालात बिगड़ गए। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार ने करीब 80,000 सुरक्षाबलों को तैनात किया है, जिनमें से 6,000 सिर्फ पेरिस में मौजूद हैं। अब तक 200 से अधिक उपद्रवियों को हिरासत में लिया गया है।

आंदोलन का मकसद

'ब्लॉक एवरीथिंग' का सीधा संदेश है– 'अगर व्यवस्था जनता के काम नहीं आ रही, तो उसे रोक दो।' शुरुआत दक्षिणपंथी संगठनों ने की थी, लेकिन अब वामपंथी और अति-

वामपंथी गुट भी इसमें शामिल हो गए हैं। आंदोलनकारियों ने परिवहन तंत्र, हाईवे और शहरों को ठप करने का ऐलान किया है।

संसद में संकट, सड़क पर बगावत

फ्रांस की राजनीति पहले से ही संकट में है। हाल ही में संसद ने प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू को विश्वास मत में हरा दिया, जिसके बाद राष्ट्रपति मैक्रों को अपने कार्यकाल का पाँचवाँ प्रधानमंत्री, सेबास्टियन लेकोर्नू नियुक्त करना पड़ा। ऐसे माहौल में सड़कों पर ये बगावत सरकार के लिए बड़ा सिरदर्द साबित हो रही है।

यलो वेस्ट विद्रोह की गूंज

विशेषज्ञ इसे 2018 के 'यलो वेस्ट' विद्रोह की याद दिलाने वाला आंदोलन मान रहे हैं। उस समय भी ईंधन की कीमतों से शुरू हुआ गुस्सा, राष्ट्रपति मैक्रों की नीतियों के खिलाफ जनआंदोलन बन गया था। मौजूदा हालात भी कुछ उसी दिशा में बढ़ते नजर आ रहे हैं।

गिरफ्तारियां और सड़कें जाम

गृह मंत्री ब्रूनो रेटायो ने बताया कि बोर्डो में करीब 50 नकाबपोशों ने हाईवे रोकने की कोशिश की, जबकि टूलूज़ में केबल में आग लगाने से ट्रैफिक बाधित हुआ। पेरिस में 75 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। कई बड़े शहरों– मार्से, मोंपेलिए, नांत और लियोन– में सड़कें पूरी तरह जाम हो गईं।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ कम करने के फैसले के खिलाफ ट्रंप की अपील पर सुनवाई की तेज

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस अपील पर तेजी से सुनवाई कर रहा है, जिसमें उनके टैरिफ को रद्द करने का फैसला सुनाया गया था। अदालत ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण किया है। जारी एक अहस्ताक्षरित आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह नवंबर के पहले सप्ताह में इस मामले में मौखिक दलीलें सुनेगा। वाशिंगटन की फेडरल सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने पिछले महीने मई में कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के फैसले को बरकरार रखा था, जिसमें ट्रंप की ओर से शुरू ट्रेड वार में लगाए गए पारस्परिक टैरिफ को अवैध घोषित किया गया था। अपील्स कोर्ट ने अपने फैसले पर 14 अक्टूबर तक रोक लगा दी थी, और अब यह रोक तब तक जारी रहेगी, जब तक सुप्रीम कोर्ट अपील पर सुनवाई कर रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इस मामले को तेजी से सुनने की मांग की थी, क्योंकि उनका कहना था कि अगर सामान्य प्रक्रिया के तहत जून तक इंतजार किया गया और फिर नकारात्मक फैसला आया, तो सरकार की वित्तीय स्थिति पर गंभीर असर पड़ेगा, क्योंकि उसे 750 बिलियन डॉलर से एक ट्रिलियन डॉलर के बीच टैरिफ वापस करने पड़ सकते हैं। एक अन्य फैसले में सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स ने एक फेडरल जज के उस आदेश को स्थगित कर दिया, जिसमें ट्रंप प्रशासन को कांग्रेस की ओर से स्वीकृत 4 अरब डॉलर की विदेशी सहायता को अनफ्रीज करने का आदेश दिया गया था।

बांग्लादेश की अदालत ने पूर्व सचिव शफीकुल इस्लाम को भेजा जेल

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की एक अदालत ने पूर्व सचिव भुइयां मोहम्मद शफीकुल इस्लाम को आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में जेल भेज दिया है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद अरिफुल इस्लाम ने भुइयां की जमानत याचिका खारिज करते हुए यह आदेश जारी किया। पुलिस ने गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश किया था। बचाव पक्ष के वकील मोहम्मद लिटन मिया के अनुसार, मजिस्ट्रेट ने एक अन्य पूर्व सचिव अबू आलम मोहम्मद शाहिद खान की जमानत याचिका भी खारिज कर दी, जिन्हें सोमवार को इसी मामले में गिरफ्तार किया गया था। यह आदेश पूर्व मंत्री और स्वतंत्रता सेनानी अब्दुल लतीफ सिद्दीकी और ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शेख हफीजुर रहमान सहित 16 लोगों की आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत गिरफ्तारी के बाद आया है, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया है।प्रमुख बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट बीडीन्यूज 24 की रिपोर्ट के अनुसार, ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि भुइयां को ढाका रिपोर्टर्स यूनिटी (डीआरयू) के साथ खड़े रहने के लिए आयोजित मंच 71% कार्यक्रम में कथित संलिप्तता का आरोप लगाते हुए हिरासत में लिया गया। यह मामला 28 अगस्त के एक कार्यक्रम से जुड़ा है, जब सिद्दीकी, रहमान और अन्य लोगों ने मंच 71 द्वारा आयोजित हमारा महान मुक्ति संग्राम और बांग्लादेश का संविधान शीर्षक से एक गोलमेज चर्चा में भाग लिया था।बांग्लादेश के प्रमुख बंगाली दैनिक प्रोथोम आलो ने चर्चा के दौरान ढाका विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रहमान के हवाले से कहा, हम देख रहे हैं कि देश के संविधान को खत्म करने का एक कुत्सित प्रयास चल रहा है। जमात (बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी), शिबिर (इस्लामी छात्र शिबिर) और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) इसके पीछे हैं। मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में, वे स्वतंत्रता सेनानियों को जूतों की माला पहनाकर अपमानित कर रहे हैं। रहमान के भाषण के बाद, लोगों का एक समूह जुलूस के साथ डीआरयू सभागार में घुस गया, गोलमेज सम्मेलन का बैनर फाड़ दिया और प्रतिभागियों को अंदर ही कैद कर लिया, और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। द बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, शाहबाग पुलिस स्टेशन में आतंकवाद विरोधी अधिनियम के तहत दर्ज मामले के अनुसार, बांग्लादेश के प्रमुख दैनिक, मंच 71 द्वारा आयोजित गोलमेज चर्चा के दौरान, आरोपियों ने सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से देश को अस्थिर करने का कथित प्रयास किया।

कतर पर हमले की घटना पर अमेरिका की इजरायल को फटकार

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने इज़राइल द्वारा दोहा में वरिष्ठ हमास नेताओं को निशाना बनाकर हवाई हमला करने के बाद इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सार्वजनिक रूप से फटकार लगायी है। ट्रम्प ने कहा है कि यह कदम इज़राइल या अमेरिका के लक्ष्यों को आगे नहीं बढ़ाता और शांति प्रयासों को कमज़ोर करता है।

ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें अमेरिकी सेना से हमले के बारे में पता चला, लेकिन दुर्भाग्य से इसे रोकने के लिए बहुत देर हो चुकी थी। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि यह हमला पूरी तरह से नेतन्याहू का फ़ैसला था। उन्होंने कतर को अमेरिका का एक मज़बूत सहयोगी और मित्र बताते हुए उसकी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि इजरायली सैन्य अभियान में एक कतरी सुरक्षा अधिकारी समेत छह लोगों के मारे जाने की खबर है। अभियान में 15 इज़राइली विमानों ने एक ही सटीक लक्ष्य पर गोले-बारूद दागे थे। इस बीच हमास ने पुष्टि की है कि उसका दोहा स्थित राजनीतिक नेतृत्व सुरक्षित है। हालांकि उसने नेतन्याहू पर शांति वार्ता में बाधा डालने का आरोप लगाया और ज़ोर देकर कहा कि हमले से साबित होता है कि इज़राइल किसी समझौते पर नहीं पहुंचना चाहता। हालांकि कतर के विदेश मंत्रालय ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन बताया। हमले पर कतर ने विशेष रूप से नाराजगी जताई जो एक प्रमुख क्षेत्रीय मध्यस्थ है और अल-उदीद एयर बेस पर हमास के राजनीतिक ब्यूरो और 10,000 अमेरिकी सैनिकों की मेजबानी करता है। इस खाड़ी देश ने हाल ही में अमेरिका के साथ आर्थिक संबंधों को भी गहरा किया है जिसमें 1.2 ट्रिलियन डॉलर का व्यापार समझौता और नए एयर फ़ोर्स वन के रूप में काम करने के लिए 400 मिलियन डॉलर का विमान उपहार में देना शामिल है। ट्रंप ने निराशा व्यक्त करते हुए संवाददाताओं से कहा कि वह जिस तरह से यह हुआ उससे बहुत दुखी हैं। उन्होने कतरी नेतृत्व को आश्वासन दिया कि उनकी धरती पर ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होंगी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने पुष्टि की कि ट्रंप ने गठबंधन की पुष्टि के लिए कतर के अमीर और प्रधानमंत्री से बात की है। हमले की आलोचना के बावजूद ट्रंप ने दोहराया कि हमास का खात्मा एक सार्थक लक्ष्य बना हुआ है। उन्होंने इज़राइली बंधकों की रिहाई की मांग की और युद्ध को तुरंत समाप्त करने का आग्रह किया। बाद में व्हाइट हाउस के एक बयान में ट्रम्प ने सुझाव दिया कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को अभी भी शांति के अवसर में बदला जा सकता है, यह दर्शाता है कि नेतन्याहू ने उन्हें संकेत दिया था कि इज़राइल एक त्वरित समाधान चाहता है।

नेपाल में कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए हरसंभव प्रयास जारी : सेना

एजेंसी

काठमांडू। नेपाली सेना ने देश में जारी अशांत स्थिति को नियंत्रित करने के लिए कर्फ्यू की अवधि बढ़ाने की घोषणा की है। सेना ने एक बयान जारी कर कहा कि वह देश में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कठिन समय में नागरिकों के सहयोग के लिए सेना ने उन्हें धन्यवाद दिया है।

साथ ही, हाल के आंदोलन के दौरान हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया।सेना की ओर से जारी बयान के मुताबिक, विभिन्न अराजक तत्व और समूह अभी भी घुसपैठ कर रहे हैं और आंदोलन का फायदा उठाकर तोड़फोड़, आगजनी, लूटपाट, हिंसक हमले और महिलाओं पर अत्याचार की कोशिश जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। इन घटनाओं को रोकने के लिए सेना ने सभी नागरिकों से सहयोग की

अपील की है। शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान कर्फ्यू को 10 सितंबर शाम 5 बजे तक पूरे देश में लागू रखा जाएगा। इसके बाद, कर्फ्यू अगली सुबह 6 बजे तक जारी रखा जाएगा। आगे की स्थिति का आकलन करने के बाद नई जानकारी जारी की जाएगी। नेपाल में पिछले कुछ दिनों से जेन-जी के नेतृत्व में प्रदर्शन हो रहे हैं, जो सरकार के भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंधों के खिलाफ हैं।

इन प्रदर्शनों में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। हिंसा के कारण काठमांडू का त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बंद करना पड़ा, जिससे उड़ानें प्रभावित हुई हैं।सेना ने कहा कि वह स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर स्थिति पर नजर रख रही है और कानून-व्यवस्था बहाल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। सेना ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों से बचें और शांति बनाए रखने में सहयोग करें। वहीं, आपात स्थिति में लोगों को सेना और पुलिस से संपर्क करने की सलाह दी गई है।

ट्रंप ने पीएम मोदी को बताया 'बहुत अच्छा दोस्त', ट्रेड वार्ता फिर से शुरू करने की घोषणा

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत के साथ रिश्तों में तनाव कम करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि उनके प्रशासन ने व्यापार वार्ता फिर से शुरू कर दी है। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका, दोनों देशों के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी रखे हुए हैं। ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना बहुत अच्छा दोस्त भी बताया और कहा कि वह आने वाले हफ्तों में उनसे बात करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे दोनों महान देशों के लिए एक सफल निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई कठिनाई नहीं होगी। ट्रंप का यह ताजा बयान अमेरिका की ओर से हाल ही में आई नरमी के बाद आया है।इससे पहले शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, ट्रंप ने कहा, मैं हमेशा प्रधानमंत्री मोदी का दोस्त रहूंगा और ट्रंप ने उन्हें महान प्रधानमंत्री भी बताया।ट्रंप ने कहा, भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच एक विशेष संबंध है। इसमें चिंता की कोई बात नहीं है।उनकी टिप्पणी के कुछ घंटों बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को जवाब देते हुए कहा कि वह राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं की सराहना करते हैं और उनका पूरा समर्थन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप की भावनाओं और हमारे संबंधों के सकारात्मक आकलन की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं और उनका पूरा समर्थन करता हूं। भारत और अमेरिका के बीच एक बेहद सकारात्मक और दूरदर्शी व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझेदारी है। बता दें कि 27 अगस्त को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में भारतीय आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया, जिसने यूक्रेन संघर्ष के बीच भारत के रूसी तेल की निरंतर खरीद के परिणामस्वरूप शुरुआती 25 प्रतिशत टैरिफ को दोगुना कर दिया।

पोलैंड का एकतरफा ऐलान, बेलारूस से लगी सीमा करेगा सील

एजेंसी

वारसॉ/मिन्स्क। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा है कि उनका देश गुरुवार आधी रात से बेलारूस के साथ अपनी सीमा पूरी तरह से बंद कर देगा। एक सरकारी बैठक से पहले टस्क ने कहा, ÷राष्ट्रीय सुरक्षा कारणों से, हम बेलारूस के साथ सीमा, जिसमें रेलवे क्रॉसिंग भी शामिल हैं, गुरुवार आधी रात से शुक्रवार तक बंद कर देंगे। समाचार एजेंसी ने पोलिश प्रेस एजेंसी के हवाले से बताया कि यह बंद सभी क्रॉसिंगों, खासकर रेलवे क्रॉसिंगों पर लागू होगा। बेलारूसी विदेश मंत्रालय के अनुसार, , बेलारूस ने रूस-बेलारूस सैन्य अभ्यास जापद-2025 के दौरान लिए गए पोलैंड के फैसले का विरोध किया है। बेलारूसी पक्ष ने पोलैंड के प्रभारी राजदूत क्रिज्सटॉफ ओजाना को मिन्स्क में तलब किया है और मौखिक विरोध दर्ज कराया है बेलारूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि

पोलैंड के इस एकतरफा कदम से पूरी यूरोपीय संघ-बेलारूस सीमा प्रभावित होने की आशंका है, जिससे लोगों और सामानों की आवाजाही बाधित होगी। यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस घोषणा के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिकी सैनिक पोलैंड में तैनात रहेंगे और उनकी संख्या में और वृद्धि हो सकती है। ट्रंप ने 3 सितंबर को पोलैंड के नए राष्ट्रपति करोल नवरोकी के साथ व्हाइट हाउस में हुई बैठक में ÷पोलैंड की सुरक्षा में मदद÷ करने का वादा किया था। जब पत्रकारों से पूछा गया कि क्या वह नाटो के पूर्वी हिस्से में अग्रिम पंक्ति के देश में अमेरिकी सैनिकों को रखने की योजना बना रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, ÷अगर वे चाहेंगे तो हम वहां और सैनिक तैनात करेंगे। नवरोकी ने ट्रंप को उनके देश के साथ निरंतर सहयोग की प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, ये संबंध मेरे लिए, पोलैंड के लिए और हमारे नागरिकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। पोलिश प्रेस एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अगस्त की शुरुआत में, अमेरिकी विदेश विभाग ने पोलैंड को एफ-35 लड़ाकू विमानों के रखरखाव, रसद और समर्थन से संबंधित एक पैकेज की संभावित बिक्री को मंजूरी दी थी।

पेंटागन की रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (डीएससीए) का हवाला देते हुए, रिपोर्टों में कहा गया है कि जनरल इलेक्ट्रिक एयरोस्पेस इस अनुबंध के संचालन के लिए जिम्मेदार होगा, जिसकी अनुमानित लागत 1.85 बिलियन डॉलर है। डीएससीए ने कहा कि यह बिक्री ÷नाटो सहयोगी की सुरक्षा बढ़ाकर संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी, जो यूरोप में राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बनी हुई है।

'दोस्त ऐसे ही बातचीत करते हैं', भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता बहाली पर अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन

एजेंसी

न्यूयॉर्क । अमेरिकी सिंगर मैरी मिलबेन ने बुधवार को भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता की बहाली का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि 'दोस्त' इसी तरह बातचीत करते हैं।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापार वार्ता की बहाली की घोषणा की, जिसके जवाब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये वार्ताएं 'भारत-अमेरिका साझेदारी की असीमित संभावनाओं को खोलेंगी।' मिलबेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, दोस्त ऐसे ही बातचीत करते हैं। आपसी सम्मान, समझ और साझा आधार के साथ। यह वही राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी हैं जिन्हें मैं जानती हूं। हमें एक-दूसरे की जरूरत है और हम एक साथ मिलकर और भी मजबूत हैं।

उन्होंने आगे कहा, हमारा गठबंधन विश्व के लिए एक नैतिक और आर्थिक दिशा-निर्देश स्थापित करता है और यह शांति का मार्ग प्रशस्त करता है।मिलबेन की पहली मुलाकात पीएम मोदी से जून 2023 में हुई थी, जब वह अमेरिका की राजकीय यात्रा पर थे। उन्होंने 2023 में वाशिंगटन के रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग में भारतीय राष्ट्रगान गाया था। अपनी परफॉर्मेंस के बाद उन्होंने पीएम मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया था। गायिका ने भारत के प्रति अपने लगाव को व्यक्त करते हुए कहा था, मैं भारत से प्यार करती हूं।

इससे पहले दिन में ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर एक पोस्ट में भारत-अमेरिका के बीच व्यापारिक बाधाओं को दूर करने के लिए वार्ता की बहाली की घोषणा की थी। उन्होंने लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत और अमेरिका हमारे दोनों देशों के बीच व्यापारिक बाधाओं को दूर करने के लिए वार्ता जारी रख रहे हैं। उन्होंने पीएम मोदी को बहुत अच्छा दोस्त बताते हुए कहा कि वह आने वाले हफ्तों में उनसे बात करने के लिए उत्सुक हैं।

पीएम मोदी ने ट्रंप की टिप्पणी का जवाब देते हुए एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने भारत-अमेरिका संबंधों की मजबूती की पुष्टि की और चल रही व्यापार वार्ता के परिणामों पर विश्वास जताया।

रूस पर निर्भर हंगरी ने शेल से 10 साल का गैस समझौता किया

एजेंसी

बुडापेस्ट। रूस से ऊर्जा आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर हंगरी ने ब्रिटेन की ऊर्जा कंपनी शेल के साथ 10 साल का नया गैस आपूर्ति समझौता किया है। हालांकि हंगरी ने यह भी स्पष्ट किया है कि यह कदम रूस से दूरी बनाने या रूसी गैस पर निर्भरता कम करने के लिए नहीं है।

हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जार्टो ने मिलान में एक गैस सम्मेलन के दौरान बताया कि यह अब तक का पश्चिमी साझेदार के साथ सबसे लंबी अवधि और सबसे बड़ी मात्रा का अनुबंध है। इस समझौते के तहत 2026 से शुरू होकर 10 वर्षों तक हंगरी को कुल दो अरब घनमीटर गैस की आपूर्ति होगी। इससे पहले, 2021 से 2027 तक सालाना 250 मिलियन घनमीटर गैस आपूर्ति का अनुबंध पहले से ही शेल के साथ था। सिज्जार्टो ने कहा कि यह नई आपूर्ति रूस से आयातित गैस की जगह नहीं लेगी। उनके अनुसार, हमारे लिए डाइवर्सिफिकेशन का मतलब मौजूदा स्रोतों और मार्गों को छोड़ना नहीं है, बल्कि नए स्रोत और मार्ग जोड़ना है। हंगरी ने रूस की गैजप्रोम कंपनी के साथ 15 साल का समझौता पहले ही किया हुआ है, जिसके तहत सालाना 4.5 अरब घनमीटर गैस की आपूर्ति 2036 तक सुनिश्चित है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सेना ने टीटीपी कमांडर अलीमुल को मार गिराया, 8,000 से ज्यादा आतंकी अभी भी मौजूद

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा के बन्नू के जानी खेल इलाके में एक अभियान में प्रतिबंधित टीटीपी गुल बहादुर समूह के प्रमुख कमांडर को मार गिराया। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की। इस बीच, सरकारी अधिकारियों ने खुलासा किया है कि खैबर पख्तूनख्वा में 8,000 से अधिक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के आतंकवादी मौजूद हैं। रक्षा सूत्रों ने बताया कि मारे गए आतंकवादी की पहचान अलीमुल हक के रूप में हुई है, जिसे जानी में कमांडर मंसूर के नाम से भी जाना जाता है। वह सेना के खिलाफ हमलों का सीधा नेतृत्व कर रहा था। उसने हाल ही में तोची चेकपोस्ट को अवरुद्ध करने का प्रयास किया था। अभियान के दौरान सुरक्षाकर्मियों और आतंकवादियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। कमांडर मंसूर गंभीर रूप से घायल हो गया

और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। द न्यूज इंटरनेशनल अखबार के अनुसार, सरकारी अधिकारियों ने एक चिंताजनक खुलासा करते हुए कहा है कि खैबर पख्तूनख्वा में 8,000 से ज्यादा टीटीपी के आतंकवादी सक्रिय हैं।

ये आतंकवादी पड़ोसी अफगानिस्तान से सीमा पार करके देश में घुस आए हैं और पेशावर, टैंक, डेरा इस्माइल खान, बन्नू, लक्की मरवत, स्वात, शांगला और अन्य जिलों में मौजूद हैं। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने सीपीईसी रोड, डी खान-बन्नू रोड और टैंक में चौकियां बना रखी हैं। ये आतंकवादी आम लोगों में शरण लेते हैं और सुरक्षा बलों पर हमला करते हैं। यह चिंताजनक खुलासा ऐसे समय पर हुआ है जब पड़ोसी अफगानिस्तान की सीमा से लगा ख़ैबर पख्तूनख्वा प्रांत, बलूचिस्तान के साथ-साथ आतंकवादी घटनाओं का दंश झेल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर की अध्यक्षता में आयोजित जिरगा में कबायली नेताओं ने अफगानिस्तान से आतंकवादियों की घुसपैठ पर निराशा व्यक्त की है। कबीलाई नेताओं ने मांग की है कि मुख्यमंत्री अफगान सरकार के समक्ष घुसपैठ का मुद्दा उठाएं। इस मुद्दे पर खैबर पख्तूनख्वा सरकार के प्रवक्ता मुहम्मद अली सैफ ने कहा कि आतंकवादी सड़क पर वीडियो बनाते हैं और फिर भाग जाते हैं।

डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत, 16 पैसे की तेजी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टॉक मार्केट की तेजी और डॉलर की मांग में आई गिरावट के कारण भारतीय मुद्रा ने आज डॉलर की तुलना में मजबूती का प्रदर्शन किया और 16 पैसे उछल कर 88.11 रुपये (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 88.27 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 26 पैसे की बढ़त के साथ 88.01 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये में और मजबूती आई, जिसके कारण ये डॉलर की तुलना में 33 पैसे की मजबूती के साथ 87.94 रुपये के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी होते ह डॉलर की मांग में तेजी आने की आशंका बन गई, जिसके कारण रुपये पर दबाव बन गया। इस दबाव के बावजूद रुपये ने आज पूरे दिन डॉलर की तुलना में मजबूती बनाए रखी। दिन भर के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 16 पैसे की उछाल के साथ 88.11 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर की तुलना में तो मजबूती दिखाई, लेकिन ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भारतीय मुद्रा में कमजोरी आ गई।

जगुआर लैंड रोवर ने अपने वाहनों के दाम 30.4 लाख रुपये तक घटाये, नई कीमतें लागू

नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के लिए अपने वाहनों के दाम में 4.5 लाख रुपये से 30.4 लाख रुपये तक की कटौती करने का ऐलान किया है। नई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस कटौती से ग्राहकों को रेंज रोवर, डिफेंडर और डिस्कवरी ब्रांडों के पूरे पोर्टफोलियो में 4.5 लाख रुपये से 30.4 लाख रुपये तक की कीमत में लाभ मिलेगा। वोल्वो कार इंडिया ने एक बयान में कहा कि वह 22 सितंबर से अपने आईसीई पोर्टफोलियो पर वाहनों की कीमतों में 6.9 लाख रुपये तक की कटौती करेगी। जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अंबा ने कहा कि लक्जरी वाहनों पर जीएसटी दर को तर्कसंगत बनाना ग्राहकों और उद्योग दोनों के लिए एक स्वागत योग्य कदम है। ये कदम बहुप्रतीक्षित प्रोत्साहन प्रदान करेगा और भारत के लक्जरी बाज़ार के प्रति हमारे विश्वास और प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

बिहार के पूर्णिया से कोलकाता के लिए 15 सितंबर से नियमित उड़ान शुरू करेगी इंडिगो

नई दिल्ली। बजट विमानन कंपनी इंडिगो एयरलाइंस बिहार के पूर्णिया से पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के लिए सीधी उड़ान 15 सितंबर से शुरू करेगी। ये उड़ान सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और को उपलब्ध होगी। इसकी शुरुआत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करने वाले हैं। विमानन क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंडिगो ने एक बयान में कहा कि वह 15 सितंबर से पश्चिम बंगाल के कोलकाता और पूर्णिया बिहार के बीच सीधी उड़ानें शुरू करने के लिए तैयार है। इंडिगो की यह नई सेवा सप्ताह में तीन बार संचालित होगी और पूर्णिया हवाई अड्डे के उद्घाटन का प्रतीक होगी। केंद्र सरकार की छोटे शहरों तक हवाई सेवा को प्रोत्साहन देने वाली क्षेत्रीय संपर्क योजाना 'उड़ान'(उड़े देश का आम नागरिक) के तहत इंडिगो को इस रूट का आवंटन किया गया है। एयरलाइंस ने बताया कि यह उड़ान सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को उपलब्ध होगी। इसके साथ ही पूर्णिया इंडिगो का 94वां घरेलू और 137वां समग्र गंतव्य बन जाएगा। कंपनी ने बताया कि पटना, गया और दरभंगा के बाद पूर्णिया एयरलाइन से जुड़ने वाला बिहार का चौथा शहर बन जाएगा।

गोयल ने इस्पात उद्योग से की स्वदेशी अपनाने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की अपील

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने इस्पात उद्योग से स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की अपील करते हुये सरकार की तरफ से हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। श्री गोयल ने यहां इंडियन स्टील एसोसिएशन के छठे स्टील अधिवेशन को संबोधित करते हुये याद दिलाया कि एक समय था जब इस्पात उद्योग ने लागत में मामूली बचत के लिए मेट कोक (ब्लास्ट फर्नेस में इस्तेमाल होने वाला उच्च गुणवत्ता वाला कोयला) आयात करने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि इससे आयात पर निर्भरता बढ़ती है और घरेलू उत्पादन हतोत्साहित होता है। उन्होंने साफ कहा कि इस्पात उद्योग का यह रवैया अनुचित था और ऐसा व्यवहार रहने पर दूसरे उद्योग भी भविष्य में उसके साथ खड़े नहीं होंगे। उन्होंने इस्पात उद्योग से अपने कच्चे माल की खरीद में स्वदेशी अपनाने और देश की हर तरह की इस्पात जरूरतों को पूरा करके आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की अपील करते हुये कहा, 'मैं आपसे सर्वश्रेष्ठ (इस्पात) बनाने की अपील करता हूं, लेकिन साथ ही स्वदेशी हमारा आदर्श और आत्मनिर्भर भारत हमारा मिशन होना चाहिये। आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी यात्रा दूसरे देशों पर निर्भर यात्रा से कहीं अधिक बेहतर होगी।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में प्रति व्यक्ति इस्पात खपत विकसित देशों की तुलना में बहुत कम है, इसे बढ़ाने की जरूरत है।

स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए दो अक्टूबर को भाजपा के सभी सांसद खरीदेंगे खादी के उत्पाद

एजेंसी

नई दिल्ली । स्वदेशी उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सांसद और कार्यकर्ता दो अक्टूबर को खादी के उत्पाद खरीदेंगे। नई दिल्ली में भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. के लक्ष्मण ने मीडिया से बातचीत में बताया कि दो अक्टूबर गांधी जयंती के दिन सभी सांसद खादी की खरीद करेंगे ताकि स्वदेशी उत्पाद बनाने वालों को प्रोत्साहन मिल सके। इसके साथ प्रत्येक सांसद अपने क्षेत्र में स्वदेशी मेला आयोजित करेंगे, स्थानीय उत्पादों को प्रदर्शित करें और वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देंगे। डॉ. के. लक्ष्मण ने दो दिवसीय सांसद कार्यशाला में लिए गए फैसलों के बार में कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य सांसदों की कौशल वृद्धि, विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों से नवाचारों का आदान-प्रदान और राष्ट्र की बेहतर सेवा के लिए सामूहिक संकल्प को

मजबूत करना था।

सांसदों को उनके क्षेत्र की प्रकृति के आधार पर समूहों में बांटा गया- शहरी, ग्रामीण, तटीय, पूर्वोत्तर, वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र और स्थायी समितियां। प्रधानमंत्री मोदी ने सभी के समूह से व्यक्तिगत रूप से बातचीत की, धैर्यपूर्वक सुना और अपने अनुभव साझा किए। शहरी सांसदों से उन्होंने शहरी प्रशासन, स्वच्छता और रीयल एस्टेट (रेग्युलेशन एंड डेवलपमेंट) एक्ट, 2016 (रेरा) की सफलता पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भाजपा ने 'सेवा पखवाड़ा' की शुरुआत करने का फैसला किया है जिसकी शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर रक्तदान शिविरों से होगी। इसके साथ

100 स्थानों पर नमो मैराथन (10,000+ प्रतिभागियों के साथ) का आयोजन किया जाएगा। जिससे फिट इंडिया, नशा मुक्त भारत और आत्मनिर्भर भारत को बढ़ावा मिलेगा।

तीन महीने भाजपा मनाएंगी संसद खेल-खुद महोत्सव

भाजपा गांव से संसद स्तर तक (मंडल, जिला, राज्य) तीन महीने यानि 25 सितम्बर से 25 दिसम्बर तक खेल उत्सव मनाएगी। के लक्ष्मण ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती तक देश के गांव गांव में खेल उत्सव मनाया जाएगा।

एनएसई ने आईएफएससीए के पूर्व प्रमुख इंजेती श्रीनिवास को चेयरमैन किया नियुक्त

एजेंसी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) के पूर्व चेयरमैन इंजेती श्रीनिवास को अपना चेयरमैन नियुक्त किया। एनएसई में पिछले दो साल से कोई चेयरमैन नहीं था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एक बयान में कहा कि एनएसई के बोर्ड और प्रबंधन ने इंजेती श्रीनिवास का एक्सचेंज के गवर्निंग बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में स्वागत किया। ओडिशा कैडर के 1983 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी श्रीनिवास पिछले सप्ताह

एनएसई के बोर्ड में जनहित निदेशक के रूप में शामिल हुए।उल्लेखनीय है कि उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब शेयर बाजार अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रहा है। इससे पहले इंजेती श्रीनिवास कॉरपोरेट मामलों के सचिव के रूप में कार्य किया है। वे आईएफएससीए के संस्थापक अध्यक्ष थे। वहां उन्होंने संस्थागत सुधारों, शासन वृद्धि और प्रणालीगत नीति नवाचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

स्टॉक मार्केट में ऑप्टिवैल्यू टेक की शानदार शुरुआत, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। टेक कंसल्टिंग कंपनी ऑप्टिवैल्यू टेक कंसल्टिंग के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 84 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 23.33 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 103.60 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली के सपोर्ट से इस शेयर की चाल में और तेजी आ गई। सुबह 10:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 106.40 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 26.67 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। ऑप्टिवैल्यू टेक कंसल्टिंग का 126 करोड़ रुपये का आईपीओ 2 से 4 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 64.45 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 49.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 118.82 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 49.64 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 61,69,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए प्रोडक्ट को डेवलप करने, बेंगलुरु में शाखा कार्यालय खोलने, मौजूदा हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को अपग्रेड करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 2.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 5.49 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 12.14 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 39.27 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 36.73 करोड़ रुपये हो गया। हालांकि वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी के राजस्व में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई और ये 56.47 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज के बोझ में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिर में कंपनी का कर्ज 7.06 करोड़ रुपये था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिर में कम होकर 1.80 करोड़ रुपये हो गया।

बिना बिके स्टॉक पर एमआरपी संशोधित कर सकेंगी कंपनियां, सरकार की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने निर्माताओं, पैकेजिंग फर्मों और आयातकों को संशोधित वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की नई दरों को प्रतिबिंबित करने के लिए बिना बिके स्टॉक पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) बदलने की अनुमति दे दी है।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बताया कि नई जीएसटी दरों के अनुसार निर्माता, पैकर्स और आयातक 31 दिसंबर तक (या स्टॉक रहने तक) बिना बिके स्टॉक पर एमआरपी को संशोधित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संशोधित कीमतें केवल जीएसटी परिवर्तनों को ही प्रतिबिंबित करेंगी। प्रल्हाद जोशी ने कहा कि नई एमआरपी को स्टिकर, स्टाम्प, ऑनलाइन प्रिंट के साथ दिखाया जाना चाहिए। उन्होंने कंपनियों को विज्ञापनों और सार्वजनिक नोटिसों के जरिए अपनी मंजूरी दी है, जिसमें तंबाकू और संबंधित उत्पादों तथा अति-

उपभोक्ताओं को सूचित करने का भी निर्देश दिया है। जीएसटी परिषद ने पिछले हफ्ते 56वीं बैठक में जीएसटी दरों को 5 और 18 फीसदी की दो-स्तरीय संरचना बनाने को विलासिता वस्तुओं पर 40 फीसदी की विशेष दर लागू होगी। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। फिलहाल जीएसटी की 5, 12, 18 और 28 फीसदी की दरें लागू है।

सर्राफा बाजार में नए शिखर पर सोना, एक लाख रुपये के पार पहुंचा 22 कैरेट सोना

जेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज एक बार फिर रिकॉर्ड तोड़ छलांग लगाकर नए शिखर पर पहुंच गया है। आज की तेजी के कारण 22 कैरेट सोना पहली बार 1 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के पार पहुंचा है, वहीं 24 कैरेट सोना भी 1.10 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच कर कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में आज 1,960 रुपये से लेकर 2,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी दर्ज की गई है।सोने की कीमत में आज आई उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,10,510 रुपये से लेकर 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दूसरी ओर, 22 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये से लेकर 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में

बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,10,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,10,560 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,10,510 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,10,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,10,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,10,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है।

सेबी ने आईपीओ लाने वाले स्टार्टअप्स के लिए ईएसओपी नियमों में संशोधन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने की इच्छा रखने वाली स्टार्टअप इकाइयों के संस्थापकों को बड़ी राहत देते हुए भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने नियमों में संशोधन किया है। इसके तहत उन्हें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेज दाखिल करने से कम से कम एक साल पहले दिए गए कर्मचारी शेयर विकल्प (ईएसओपी) को बनाए रखने की अनुमति दी गई है। सेबी की अधिसूचना के मुताबिक नए नियम से उन संस्थापकों को सुविधा होगी, जिन्हें दस्तावेज का मसौदा दाखिल करने से कम से कम एक साल पहले कर्मचारी शेयर विकल्प मिले थे। मौजूदा नियमों के तहत प्रवर्तक ईएसओपी सहित शेयर आधारित लाभ पाने के लिए अपात्र हैं।

ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन ने पेपर पर जीएसटी बढ़ोतरी पर जताई चिंता

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में प्रिंटिंग और पैकेजिंग उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाली ऑफसेट प्रिंटर्स एसोसिएशन (ओपीए) ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामण से अपील की है कि 22 सितंबर 2025 से लागू होने वाली पेपर और पेपरबोर्ड पर प्रस्तावित जीएसटी दर में वृद्धि (12' से 18') को वापस लिया जाए। एसोसिएशन ने भले ही कार्टन, बॉक्स और केस (एचएसएन 4819 10 और 4819 20) पर जीएसटी को 12' से घटाकर 5' किए जाने के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन चेतावनी दी है कि पेपर पर 18' की उच्च दर उद्योग की 92' सूक्ष्म और लघु इकाइयों को गंभीर रूप से प्रभावित करेगी। ये इकाइयां मिलकर देश की जीडीपी में ?1.2 लाख करोड़ का योगदान देती हैं और लगभग 25 लाख लोगों को रोजगार प्रदान करती हैं।

ओपीए के अध्यक्ष प्रवीन अग्रवाल ने कहा, प्रिंटिंग और पैकेजिंग शिक्षा, एफएमजीसी, दवाइयों, रिटेल और निर्यात जैसे क्षेत्रों के मौन इंजन हैं। केवल पैकेजिंग ही भारत के 80,000 करोड़ के पेपर बाजार का लगभग 65' हिस्सा है। जब तैयार पैकेजिंग पर जीएसटी 5' और कच्चे पेपर पर 18' लगाया जाएगा, तो 13' का इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर उत्पन्न होगा। इससे कार्यशील पूंजी फंस जाएगी, प्रतिस्पर्धा घटेगी और उद्योग की लगभग 30' सूक्ष्म इकाइयाँ एक वर्ष के भीतर बंद होने की कगार पर पहुंच जाएंगी। यह न केवल व्यापार बल्कि 25 लाख लोगों की आजीविका और 1.2 लाख करोड़ की अर्थव्यवस्था को खतरे में डाल देगा।' ओपीए के महासचिव प्रो. कमल मोहन चोपड़ा ने सामाजिक प्रभाव की चेतावनी देते हुए कहा, कागज़ केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि शिक्षा, ज्ञान और संस्कृति की आत्मा है। भारत की लगभग 2.5 लाख प्रिंटिंग इकाइयों में से 70' पाठ्यपुस्तकों और शैक्षणिक सामग्री के निर्माण में लगी हैं। जीएसटी को 12' से बढ़ाकर 18' करने से स्कूल की किताबों की कीमतें 10-15' तक बढ़ सकती हैं, जिससे 20 करोड़ छात्रों और लाखों परिवारों पर सीधा असर पड़ेगा। जब पहले से ही शिक्षा की लागत बढ़ रही है, यह कदम 'सर्व शिक्षा अभियान' के लक्ष्य को कमजोर कर देगा और सामाजिक असमानता को और गहरा करेगा।'

ओपीए ने उठाई तीन प्रमुख मांगें– 1- पेपर और पेपरबोर्ड पर जीएसटी को घटाकर 5फीसदी किया जाए, जैसा कि कार्टन और बॉक्स के लिए किया गया है (HSN 4819 10 और 4819 20)।

2- सभी पेपर उत्पादों पर एक समान जीएसटी दर लागू की जाए ताकि वर्गीकरण विवाद खत्म हों।

3- पूरा अध्याय 48 (पेपर और पेपरबोर्ड) 5फीसदी के तहत लाया जाए ताकि सूक्ष्म इकाइयों की रक्षा हो सके और शिक्षा की लागत घटे।

उद्योग के प्रमुख आंकड़े और चिंताएं–

इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चरः 18फीसदी इनपुट और 5फीसदी आउटपुट टैक्स के कारण हर साल 5,000 करोड़ की कार्यशील पूंजी फंसने का खतरा।

रिफंड में देरीः 6-9 महीनों की रिफंड प्रक्रिया से 80फीसदी लघु उद्योग प्रभावित, जहां एक व्यक्ति कई भूमिकाएं निभाता है।

नई जीएसटी दरों में निर्बाध बदलाव के लिए व्यवसायों का सहयोग जरूरी : सीबीआईसी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। कर अधिकारियों को लिखे एक पत्र में संजय अग्रवाल ने इस बात पर जोर दिया कि इन परिवर्तनकारी सुधारों के प्रभावी होने के साथ व्यापार और उद्योग जगत को इस बदलाव को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने में मदद करना समय की मांग है।

सीबीआईसी प्रमुख ने कहा कि करदाताओं को संशोधित कर दरों और अनुपालन सरलीकरणों की स्पष्ट समझ सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय पहुंच और प्रभावी संवाद बेहद जरूरी होंगे। उन्होंने कहा कि अधिक जागरूकता से न केवल भ्रम कम होगा, बल्कि व्यवसायों, विशेषकर छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को सुधारों को सहजता से अपनाने और उनसे पूर्ण लाभ उठाने में भी मदद मिलेगी। संजय कुमार अग्रवाल ने 375 वस्तुओं पर घटी हुई जीएसटी दरों के प्रभावी होने पर व्यवसायों को सक्रिय सहयोग देने पर जोर दिया है। उन्होंने कर अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे व्यापार और उद्योग जगत को इस बदलाव के दौरान मार्गदर्शन प्रदान करें, ताकि संशोधित दरों और अनुपालन सरलीकरण की स्पष्ट समझ सुनिश्चित हो सके। जीएसटी परिषद ने पिछले हफ्ते अपनी 56वीं बैठक में जीएसटी दरों को 5 और 18 फीसदी की दो-स्तरीय संरचना बनाने को मंजूरी दी है, जिसमें तंबाकू और संबंधित उत्पादों तथा अति-विलासिता वस्तुओं पर 40 फीसदी की विशेष दर लागू होगी। नई दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। फिलहाल जीएसटी की 5, 12, 18 और 28 फीसदी की दरें लागू है।

नायडू ने ड्रोन, फ्लाइट सिम्युलेटर पर जीएसटी घटाने की सराहना की

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने ड्रोन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) एक समान पांच प्रतिशत करने और फ्लाइट तथा मोशन सिम्युलेटर पर शून्य कर करने की तारीफ की। श्री नायडू ने कहा कि सभी श्रेणी के ड्रोन

पर अब एक समान पांच प्रतिशत कर लगाने से नीतिगत स्थिरता आयेगी और वर्गीकरण पर विवादों पर विराम लगेगा। इसके अलावा फ्लाइट सिम्युलेटर और मोशन सिम्युलेटर को भी जीएसटी में कर से छूट दी गयी है। इससे देश में प्रशिक्षण पारिस्थितिकी को बढ़ावा मिलेगा। इसका लाभ विमान सेवा कंपनियों और संस्थानों को प्रशिक्षण उपकरणों की लागत कम करने में मदद मिलेगी। पहले ड्रोनों पर 18 प्रतिशत और 28 प्रतिशत जीएसटी था। उन्होंने जीएसटी में कर की दो दरें करने के जीएसटी काउंसिल के फैसले की तारीफ करते हुये कहा कि इसके जरिये सरकार विकसित भारत 2047 के लिए रास्ता तैयार कर रही है।

दो माह के सबसे ऊंचे स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 1 दिन में 1.23 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। मजबूत ग्लोबल संकेतों और आईटी सेक्टर में जम कर हुई खरीदारी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज लगातार दूसरे कारोबारी दिन मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज की तेजी के कारण शेयर बाजार पिछले दो महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि दोपहर 11 बजे तक बिकवालों ने भी लगातार दबाव बनाए रखा, लेकिन इसके बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स और निफ्टी 0.39 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर के अलावा एफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में भी जम कर खरीदारी होती रही। इसके साथ ही बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, मेटल और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कंज्यूमर ड्यूरेबल और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 20 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब सवा लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 453.96 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 452.73 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.23 लाख करोड़ रुपये का फायदा हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,281 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,995 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,125 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 161 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,774 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,350 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,424 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 21 शेयर बढ़त के साथ और 9 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 31 शेयर हरे निशान में और 19 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 342.39 अंक की तेजी के साथ 81,129.69 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट आने लगी। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11 बजे तक सेंसेक्स ओपनिंग लेवल से 200 अंक से ज्यादा फिसल कर 80,927.97 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 2:30 बजे ये सूचकांक 394.07 अंक की तेजी के साथ 81,181.37 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी घंटे के कारोबार में मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से करीब 80 अंक फिसल कर 314.02 अंक की बढ़त के साथ 81,101.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 90.95 अंक उछल कर 24,864.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

'टीवी बनाम फिल्म' की जंग में कूदीं

हिना खान

फरहाना भट्ट को लगाई फटकार, फिर डिलीट कर डाला पोस्ट

बिग बॉस 19 के घर में कंटेस्टेंट्स के बीच की जंग अब बाहर आ चुकी है. इस बार टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने घर में चल रहे 'टीवी बनाम फिल्म' के विवाद में एंट्री ली है. दरअसल, बिग बॉस 19 की कंटेस्टेंट फरहाना भट्ट ने टीवी एक्टर्स को फिल्म कलाकारों से कम बताया था. उनके इस बयान के बाद हिना खान ने उन्हें जमकर लताड़ा है.फरहाना के इस बयान से हिना खान इतनी नाराज हुईं कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्हें न सिर्फ 'लालची' कहा, बल्कि एक खुली धमकी भी दे डाली. हालांकि, बाद में उन्होंने ये पोस्ट डिलीट कर दिया, लेकिन तब तक उनके स्क्रीनशॉट वायरल हो चुके थे.

फरहाना पर फूटा हिना खान का गुस्सा

बिग बॉस से जुड़ी खबरें साझा करने वाले एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने हिना खान की दोनों पोस्ट के स्क्रीनशॉट शेयर किए हैं. हिना ने अपनी पहली पोस्ट में फरहाना पर सीधा हमला करते हुए लिखा, हम किसी भी माध्यम में अच्छा और यादगार काम करना पसंद करते हैं, और हम सभी माध्यमों का बराबर सम्मान करते हैं. टीवी पर आकर खुद को फिल्म एक्टर कह कर बड़ा बतानाज एक अच्छा कलाकार ये कभी नहीं करेगा. खाली बातों से सिर्फ शोर आता है. सिर्फ शोर. हैश टैग अंगूर खट्टे हैं.

टीवी का दिल बहुत बड़ा है

अपनी दूसरी पोस्ट में भी हिना खान का गुस्सा और भी साफ नजर आया. उन्होंने फरहाना को करारा जवाब देते हुए लिखा, क्या टीवी का सबसे बड़ा रियलिटी शो आयनॉक्स में टेलीकास्ट या प्रीमियर हुआ है? मेरे हिसाब से तो टीवी पर ही आता है, हैं ना? वैसे हमारे टीवी का दिल ही इतना बड़ा है कि कोई भी लालची आकर स्टार बन जाता है, उसके लिए ऊपर वाले का शुक्रिया. अब मुझसे कुछ मत बुलवाओ.हिना का इशारा साफ तौर पर फरहाना की तरफ था. दरअसल फरहाना ने अशनूर कौर और अभिषेक बजाज को टीवी एक्टर कहते हुए नीचे दिखाने की कोशिश की थी.

पब्लिक ने किया हिना का सपोर्ट

भले ही हिना खान ने अपनी पोस्ट डिलीट की हो, लेकिन सोशल मीडिया पर उनका जमकर समर्थन हो रहा है. लोगों ने उनके इस स्टैंड की सराहना की है. एक फॉलोअर ने लिखा, 'हिना बिल्कुल सही कह रही हैं.' वहीं, कुछ यूजर्स ने ये भी कहा कि हिना का यह रिएक्शन इसलिए है क्योंकि वो बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट अभिषेक की बहुत पुरानी दोस्त हैं और उन्होंने अभिषेक के साथ हो रही गलत बातों का जवाब दिया है.

पिता के निधन के बाद हाई कोर्ट पहुंचे करिश्मा कपूर के बच्चे, 30 हजार करोड़ से जुड़ा है मामला

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस करिश्मा कपूर तलाक के बाद से अपने दोनों बच्चों की परवरिश अकेले कर रही हैं. हालांकि अपने बच्चों बेटे कियान राज कपूर और बेटी समायरा कपूर का एक मात्र सहारा सिर्फ करिश्मा ही रह गईं हैं, क्योंकि करिश्मा के एक्स हस्बैंड और उनके बच्चों के पिता संजय कपूर का कुछ दिनों पहले निधन हो गया था. दोनों पिता के निधन से बुरी तरह टूट गए थे. हालांकि अब उन्होंने संजय कपूर की तीसरी पत्नी और सौतेली मां प्रिया कपूर पर पिता की संपत्ति में हेरफेर करने के आरोप लगाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और संपत्ति में अपनी हिस्सेदारी मांगी है.

दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे करिश्मा के बच्चे

पिता के निधन के बाद कियान और समायरा ने पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी की मांग की है और इसके लिए उन्हें अदालत का सहारा लेना पड़ा है. उनका आरोप है कि प्रिया कपूर ने उनके पिता की वसीयत में धोखाधड़ी की है और पूरी संपत्ति पर अपना कंट्रोल करने की कोशिश की है.

कितनी संपत्ति छोड़ गए संजय कपूर ?

करिश्मा कपूर और प्रिया कपूर के एक्स हस्बैंड संजय कपूर बेहद रईस बिजनेसमैन थे. वो अपने पीछे 30 हजार करोड़ रुपये का साम्राज्य छोड़कर गए हैं. हालांकि अब इसके बंटवारे को लेकर करिश्मा के बच्चे और प्रिया कपूर के बीच खींचतान चल रही है. कियान और समायरा का आरोप है कि प्रिया उन्हें अपने पिता की संपत्ति से गलत तरीके से बेदखल करना चाहती हैं.

बच्चों ने क्या आरोप लगाए हैं ?

समायरा और कियान ने अपनी मां करिश्मा कपूर के माध्यम से दायर किए गए मुकदमे में दावा किया है कि प्रिया ने संजय की वसीयत में जालसाजी की है.

उनके मुताबिक वसीयत कानूनी और वैध दस्तावेज नहीं है, बल्कि ये जाली वसीयत है. उन्होंने ये भी कहा कि इसके कारण उन्हें विल की ओरिजिनल कॉपी भी नहीं दिखाई गई है. 21 मार्च 2025 की विल को दोनों ने फर्जी करार दिया है. साथ ही उनकी मांग है कि जब तक ये विवाद सुलझ न जाए तब तक संपत्तियों को फ्रीज कर दिया जाए.

लता-आशा की गायकी में फर्क, मानो बरगद की छांव में पीपल का पेड़! आशा भोसले ने कैसे बनाई अलग पहचान?

मशहूर गायिका आशा भोसले ने अपने जीवन के 92 साल पूरे कर लिये हैं. उनकी जिंदादिली हिंदी फिल्म संगीत की जोश भरी आशा और उम्मीद है. कहते हैं बरगद की छांव में कोई दूसरा पौधा नहीं बढ़ता. लेकिन आशा भोंसले ने लता मंगेशकर जैसी विराट शख्सियत की छत्रछाया में रहकर भी जिस प्रकार की अपनी पहचान बनाई, वह एक मिसाल है. मानो बरगद की छांव तले पीपल का पेड़ निकल आया हो. यह मिसाल बेमिसाल है. आशा पिछले दिनों उमराव जान के री-रिलीज के मौके पर सार्वजनिक तौर पर नजर आई थीं. स्टेज पर आशा भोसले के साथ रेखा और मुजफ्फर अली भी थे. इस उम्र में भी आशा गाने से नहीं चूकीं. वह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था. आशा उम्रदराज दिख रही थीं लेकिन एक युवा गायिका तब भी उनके भीतर मचल रही थीं.

मंच पर रेखा ने आशा भोसले को थाम रखा था. वहीं उन्होंने उमराव जान का एक मशहूर गीत छेड़ा, जो कि मौके की नजाकत को समर्पित था. वह गाना था– ये क्या जगह है दोस्तो, ये कौन सा दयार है, हदे निगाह तक जहां गुबार ही गुबार है. वाकई जैसे कि इस फिल्म में उमराव बनीं रेखा जब इस गीत को गाती हैं तो बरसों बाद उस ठिकाने पर पहुंच चुकी होती हैं, जहां उनके किरदार का बचपन बीता था. बस यादें ही यादें थीं और उन यादों में महज दर्द की तासीर थी. कुछ उसी तरह आशा भी सालों बाद जब अपने प्रशंसकों से मुखातिब थीं तो उनके चेहरे पर यादों की परछाइयां परखी जा सकती थीं. अपने कद्रदानों को पाकर खुद को रोक न सकीं.

92 साल की उम्र में मंच पर छेड़ा सुर

उमराव जान के मंच पर आशा की आवाज में पहले तो हल्की की खराश उभरी लेकिन फिर तुरंत वही सुर खनक उठा जिसके लिए वो सालों से मशहूर हैं. 92 साल की उम्र में भी वही खनक और शोखियां. लोग सुर गंगा में बहने लगे थे. फिजां में तालियां ही तालियां गूंजने लगीं. ये समां आशा की आवाज और अलहदा शख्सियत का करिश्मा था. सत्तर की रेखा दमक रही थीं, बानवे की आशा चहक रही थीं और अस्सी के मुजफ्फर अली क्या खूब फब रहे थे. आशा भोसले की गायकी और उपस्थिति से पूरा परिवेश गुलजार हो चुका था. लेकिन इस उम्र में भी आशा के इस करिश्मे का आधार यूं ही नहीं था.

ट्विंकल खन्ना

से शादी से पहले अक्षय कुमार के सामने सास डिंपल कपाड़िया ने रख दी थी ऐसी शर्त

बॉलीवुड के फेमस एक्टर अक्षय कुमार की फिल्मों को लेकर अक्सर बातें होती हैं. उनकी पर्सनल लाइफ भी काफी खुशहाल है. अक्षय और उनकी पत्नी ट्विंकल दो प्यारे बच्चे आरव और नितारा कुमार के माता-पिता हैं. अक्षय और ट्विंकल की शादी 24 साल पहले हुई थी, जिसको लेकर एक दिलचस्प किस्सा भी मशहूर है.9 सितंबर 1967 को पंजाब के अमृतसर में जन्में राजीव हरी ओम भाटिया को आमतौर पर लोग अक्षय कुमार के नाम से जानते हैं. आज वो अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं. उन्होंने 1991 में रिलीज हुई फिल्म 'सौगंध' से बतौर लीड एक्टर करियर की शुरुआत की थी. वहीं करियर शुरू करने के 10 साल बाद उन्होंने ट्विंकल खन्ना से शादी की थी. जब अक्षय और ट्विंकल की शादी हुई तो उससे पहले अक्षय की सास डिंपल कपाड़िया ने एक शर्त रखी थी, जिसके बाद ही शादी हुई थी.

अक्षय-ट्विंकल की शादी से पहले क्या शर्त रखी गई थी ?

सालों पहले करण जौहर के शो कॉफी विद करण में अक्षय कुमार और ट्विंकल खन्ना बतौर गेस्ट पहुंचे थे. उसी दौरान ट्विंकल ने बताया था कि जब उन्होंने अपने पापा राजेश खन्ना से कहा था कि वो अक्षय से शादी करना चाहती हैं तो इसपर काफी छानबीन की गई थी. अक्षय ने ये तक कह दिया था कि उनकी सास ने उन्हें 'गे' समझ लिया था और इसके लिए उन्होंने अक्षय-ट्विंकल को लिव-इन में रहने को कहा था.

राजेश खन्ना भी इस बात के लिए मान गए थे. डिंपल कपाड़िया की शर्त थी कि दोनों लिव-इन में रहें. वहीं दो साल साथ रहने के बाद भी अगर दोनों को लगता है कि उन्हें शादी करनी चाहिए, तो फिर उसके बाद दोनों की शादी होगी. इसके बाद मुंबई के एक फ्लैट में अक्षय-ट्विंकल शादी के पहले करीब 2 साल साथ रहे. इसके बाद ट्विंकल ने शादी के लिए हां कही और 17 जनवरी 2001 को अक्षय-ट्विंकल की शादी हो गई थी.

उत्तम नगर में कई महीनों से सीवर ओवर फ्लो बदहाल हुई सड़क

मो अजीज सैफी

दिव्य दिल्ली : उत्तम नगर विधानसभा क्षेत्र में कई महीनों से सड़कों की बदहाली और सीवर ओवर फ्लो के चलते यहां के दुकानदार और इलाके में रहने वाले लोग पलायन को मजबूर हैं दरअसल यहां के लोगों की मांग है तो पिछले 3 महीने से अधिक समय से मतलब जब से दिल्ली में बीजेपी की सरकार आई है तब से सीवर की समस्या चली आ रही है और सीवर ओवरफ्लो होकर मुख्य सडक जो दर्जन भर से अधिक कॉलोनी को उत्तम नगर मेट्रो स्टेशन से जोड़ती है उसकी हालत बेहद खराब है यहां के लोगों ने स्थानीय विधायक से शिकायत करने के साथ-साथ संबंधित विभाग को भी शिकायत की लेकिन समस्या का समाधान नहीं निकल रहा थक हारकर आज लोगों ने न सिर्फ सड़क पर उतर कर सरकार के खिलाफ और स्थानीय विधायक के खिलाफ प्रोटेस्ट किया बल्कि नाराज लोगों ने रोड महज 2 घंटे के लिए नहीं बल्कि जबतक समस्या का समाधान नहीं होता तब तक के लिए रोड को बंद करने का ऐलान कर दिया है लोगों का साफ तौर पर कहना है कि जिस तरह के हालात सरकारी तंत्र और नेताओं के खिलाफ नेपाल में बने हुए हैं और नेपाल जल रहा है ऐसी हालत कहीं यहां भी ना हो लोगों का कहना है कि वह शिकायत करके ऊब चुके हैं लेकिन कोई सुनता ही नहीं नेताओं के खिलाफ जमकर लोगों ने भड़ास निकाली और लोगों ने चेताया कि अगर अब भी यहां की समस्या दूर करने को लेकर किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई तो इससे उग्र प्रदर्शन हो सकता है ।

प्रदर्शन करने वालों में न सिर्फ स्थानीय निवासी बल्कि आसपास के दुकानदार व्यवसाय यहां तक के डॉक्टर भी शामिल हुए हैं और उन्होंने साफ कर दिया कि जबतक संबंधित एजेंसी और जनप्रतिनिधि यहां को समस्या का संज्ञान नहीं लेते और उसका समाधान नहीं निकाल देते तबतक हम अपना अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी रखेंगे और इस मुख्य रास्ते को पूरी तरह से बंद ।

GST राहत: किताबों पर जीरो टैक्स से बाजार में खुशी

मनीषा

दिव्य दिल्ली : GST अब पूरे सिस्टम में सिर्फ दो टैक्स स्लैब रहेंगे झ 5% और 18%। किताबों और शिक्षा से जुड़ी कई चीजों पर जीरो (GST) कर दिए जाने की खुशी दिल्ली के ज्वाला हेरी मार्केट के नितिन बुक्स एंड स्टेशनर्स में साफ नजर आई। दुकानदारों ने बताया कि इस बदलाव से न सिर्फ उनकी सेल पर अच्छा असर पड़ा है बल्कि खरीदार भी बेहद खुश हैं। उन्होंने इसे दिवाली का तोहफा बताया और कहा कि सरकार का यह कदम शिक्षा और व्यापार दोनों के लिए बड़ी राहत है।

निहाल विहार में स्थित पुष्पा ज्वैलर्स के मालिक रोहित श्रॉफ ने सोने-चांदी पर लगने वाले GST को लेकर दिया बयान

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली भारत सरकार द्वारा GST की नई दरें घोषित की गई हैं इसी विषय पर दिल्ली के निहाल विहार में स्थित पुष्पा ज्वैलर्स के मालिक रोहित श्रॉफ ने सोने-चांदी पर लगने वाले GST को लेकर बड़ा बयान दिया है। फिलहाल सोने-चांदी पर 3 प्रतिशत GST लागू है, लेकिन रोहित श्रॉफ का कहना है कि अगर सरकार इस टैक्स को 3 से घटाकर 2 प्रतिशत कर दे, तो इसका सीधा फायदा ग्राहकों और ज्वैलर्स दोनों को मिलेगा। उनका कहना है कि टैक्स दर कम होने से ग्राहकों को खरीदारी में राहत मिलेगी, वहीं ज्वैलर्स का कारोबार भी और बेहतर होगा। रोहित श्रॉफ ने सरकार से इस पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है।

मेट्रो अधिकारी हर बार बहाने बनाकर व्यापारियों को टाल रहे हैं: पम्मा

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के सदर बाजार इलाके में मेट्रो निर्माण कार्य के चलते कुतुब रोड तेलीवाड़ा पर स्थित करीब 40 से 45 दुकानें और गोदाम 25 जुलाई से सील कर दिए गए थे। मेट्रो अधिकारियों का कहना था कि बिल्डिंग की कमजोरी के कारण यह कदम उठाया गया और इन दुकानों को लगभग एक साल तक बंद रखा जाएगा। साथ ही व्यापारियों को मुआवजा देने का आश्वासन भी दिया गया था। लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी अभी तक मेट्रो प्रशासन ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया है कि प्रभावित व्यापारियों को कितना मुआवजा दिया जाएगा। वरिष्ठ व्यापारी नेता परमजीत सिंह पम्मा ने कहा कि त्योहारों का सीजन नजदीक है, ऐसे में अगर व्यापारियों का माल नहीं बिक पाया तो भारी नुकसान होगा। वहीं किराए की दुकानों और गोदामों के दाम लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मेट्रो अधिकारी हर बार बहाने बनाकर व्यापारियों को टाल रहे हैं। इस वजह से व्यापारी न तो नया किराया तय कर पा रहे हैं और न ही कारोबार कर पा रहे हैं। पम्मा ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही कोई ठोस हल नहीं निकाला गया तो व्यापारी संगठनों के साथ मिलकर मेट्रो के खिलाफ धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

निहाल विहार में स्थित मोहन ज्वैलर्स के मालिक विपिन चौधरी ने सोने-चांदी पर लगने वाले GST को लेकर दिया बयान

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली भारत सरकार द्वारा GST की नई दरें घोषित की गई हैं इसी विषय पर दिल्ली के निहाल विहार में स्थित मोहन ज्वैलर्स के मालिक विपिन चौधरी ने सोने-चांदी पर लगने वाले GST को लेकर बड़ा बयान दिया है। फिलहाल सोने-चांदी पर 3 प्रतिशत GST लागू है, लेकिन विपिन चौधरी का कहना है कि अगर सरकार इस टैक्स को 3 से घटाकर कम कर दे, तो इसका सीधा फायदा ग्राहकों और ज्वैलर्स दोनों को मिलेगा। उनका कहना है कि टैक्स दर कम होने से ग्राहकों को खरीदारी में राहत मिलेगी, वहीं ज्वैलर्स का कारोबार भी और बेहतर होगा। विपिन चौधरी ने सरकार से इस पर गंभीरता से विचार करने की अपील की है।

जलभराव की समस्या को देखते हुए नांगलोई विधानसभा के विधायक मनोज शौकीन ने बड़ी घोषणा की

शिवानी कौर बमराह

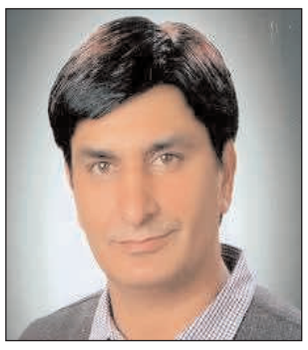

दिव्य दिल्ली। दिल्ली के नांगलोई-नजफगढ़ रोड पर ट्रैफिक और जलभराव की समस्या को देखते हुए स्थानीय विधायक मनोज शौकीन ने बड़ी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि इस रोड पर 2 से 4 दिन के भीतर टेंडर प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। इस सड़क की दोनों तरफ RCC की ड्रेनेज बनाई जाएगी, जो पूरी क्षमता के साथ पानी को रोकने और सड़क पर जलभराव को खत्म करने में सक्षम होगी। विधायक ने यह भी कहा कि ड्रेनेज का निर्माण जल्द ही शुरू होगा और आने वाले 4 से 6 महीनों के भीतर सड़क का निर्माण कार्य भी पूरा हो जाएगा इससे न केवल ट्रैफिक सुचारू होगा, बल्कि इलाके के निवासियों को बाढ़ और सड़क टूटने जैसी समस्याओं से भी निजात मिलेगी। स्थानीय प्रशासन और विधायक दोनों लगातार इस प्रोजेक्ट की मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

डकैती की वारदात का पुलिस ने किया खुलासा

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के विजय विहार थाना क्षेत्र में डकैती की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर लिया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि 31 अगस्त 2025 की रात करीब 8 बजे जब वह श्मशान घाट रोड से घर लौट रहा था, तभी दो युवकों ने उसे घेर लिया। एक ने उसकी गर्दन पकड़ ली जबकि दूसरे ने उसका मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया, जिसमें 1200 रुपये नकद और आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेज थे। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। मामले में एफआईआर दर्ज कर पुलिस टीम गठित की गई। जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और स्थानीय मुखबिरों की मदद से अपराधियों की पहचान की गई। तकनीकी व मानवीय खुफिया इनपुट के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों यश (22) और विक्की उर्फ राहुल (22) को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने वारदात कबूल कर ली। उनके पास से शिकायतकर्ता का मोबाइल फोन, आधार कार्ड और 500 रुपये बरामद हुए। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, यश पहले भी डकैती और आर्म्स एक्ट के मामलों में शामिल रहा है। फिलहाल दोनों से आगे की जांच जारी है।

सड़क किनारे एक युवक का शव खून से लथपथ मिला

दिव्य दिल्ली : रोहिणी सेक्टर-26 स्थित श्मशान घाट रोड पर 09 सितंबर 2025 की सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। यहां सड़क किनारे एक युवक का शव खून से लथपथ मिला, जिसकी पहचान 30 वर्षीय रज्जब खान के रूप में हुई। शव पर कई चाकू के घाव थे। मौके से दो मोटरसाइकिलें बरामद हुईं, जिनमें से एक नाले में गिरी पाई गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू की और सीसीटीवी व स्थानीय सूत्रों की मदद से अपराधियों का सुराग पाया। जांच में खुलासा हुआ कि मृतक रैपिडो चालक था, जिसे आरोपियों ने सवारी बुक कर लूटने की साजिश रची थी। विरोध करने पर उसे बेरहमी से चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी कृष्ण (19), अंकित उर्फ मोगली (18) और एक 17 वर्षीय नाबालिग को गिरफ्तार किया। उनके पास से हत्या में इस्तेमाल चाकू, मृतक का मोबाइल फोन और कपड़े बरामद किए गए। एक फरार आरोपी की तलाश अभी जारी है।

तीन मासूम बेटियों की जान लेकर माँ ने लगाई फांसी

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में मंगलवार की रात एक महिला ने अपनी तीन बेटियों की गला घोंटकर हत्या कर दी। बेटियों की हत्या के बाद महिला ने खुद भी फांसी लगा ली है। इस खौफनाक वारदात की वजह पारिवारिक कलह बताई गई है।

मंगलवार की रात करीब साढ़े आठ बजे बागपत के टीकरी कस्बे में चीख पुकार मच गई। भोजान पट्टी मोहल्ले में 29 साल की तेज कुमारी ने पहले अपनी तीन मासूम बेटियों- 7 साल की गुंजन, 2 साल की कीटो और 5 महीने की मीरा का गला घोंट दिया और फिर खुद भी पंखे से फांसी लगाकर अपनी जिंदगी खत्म कर ली। पति विकास कुमार दिल्ली में टूरिस्ट बस चलाता है। घटना की रात वह घर के बाहर पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। जब वह घर में गया और पत्नी को आवाज दी, तो कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा अंदर से बंद था। मोहल्ले वालों की मदद से पुलिस को बुलाया गया।

पुलिस ने रोशनदान से झांककर देखा, तो भीतर दिल दहला देने वाला मंजर था। बेड पर तीन बच्चियों के शव पड़े थे और मां तेज कुमारी पंखे से लटकी हुई थी। दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने रोशनदान से युवक को अंदर उतारा और ताला तोड़कर कमरे में दाखिल हुई। इसके बाद चारों शव कब्जे में लिए गए। घटना की जानकारी मिलते ही सीओ विजय कुमार और एएसपी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे।

दिल्ली के निहाल विहार में स्थित नीतू ज्वैलर्स के मालिक पंकज सोनी ने सोने-चांदी पर लगने वाले GST पर अपने विचार सांझा किए

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली भारत सरकार द्वारा GST की नई दरें घोषित की गई हैं इसी विषय पर दिल्ली के निहाल विहार में स्थित नीतू ज्वैलर्स के मालिक पंकज सोनी ने सोने-चांदी पर लगने वाले GST को लेकर बड़ा बयान दिया है। फिलहाल सोने-चांदी पर 3 प्रतिशत GST लागू है, पंकज सोनी का कहना है कि सरकार के इस फैसले से वह सहमत है लेकिन सरकार को बढ़ते सोने के दामों पर रोक लगानी चाहिए अगर सरकार इस पर विचार करती है, तो इसका सीधा फायदा ग्राहकों और ज्वैलर्स दोनों को मिलेगा। वहीं ज्वैलर्स का कारोबार भी और बेहतर होगा।

प्रदेश में बदलेगी बिजली व्यवस्था, नया कनेक्शन लेने पर लगेंगे सिर्फ प्रीपेड मीटर; पुराने मीटर भी बदलेंगे

लखनऊ

प्रदेश में नया बिजली कनेक्शन लेने पर अब प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। इस संबंध में पावर कारपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने सभी विद्युत वितरण निगम के निदेशकों को निर्देश जारी कर दिया है। प्रदेश में पहले से लगे मीटरों को बदला जा रहा है। उन्हें हटा कर नया स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाया जा रहा है। अब तक प्रदेश में करीब 37 लाख मीटर लगाए गए हैं। ऐसे में कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक पंकज कुमार ने सभी निगमों को निर्देश दिया है कि नए कनेक्शन देते वक्त स्मार्ट प्रीपेड मीटर ही लगाया जाए। ताकि भविष्य में उसे बदलने की जरूरत न पड़े। यह भी निर्देश दिया है कि कृषि उपभोक्ताओं को अभी इसके दायरे में नहीं रखा जाएगा।। अन्य सभी उपभोक्ताओं के खराब मीटर बदलने अथवा भार वृद्धी पर मीटर बदलने के दौरान प्री-पेड स्मार्ट मीटर ही लगाए जाएंगे। जहां अभी स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है वहां पर जब यह कार्य प्रारंभ किया जाएगा तो वहां भी स्वत: ही यही व्यवस्था लागू होती रहेगी।

मीटर बदलते समय बरते सावधानी

प्रबंध निदेशक ने यह भी निर्देश दिया गया है कि मीटर बदलते समय विशेष सावधानी बरते। जिन उपभोक्ताओं के यहां मीटर खराब हैं, जले हुए हैं, टर्मिनल प्लेट जली है, नो डिस्प्ले या अन्य प्रकार की खराबी है, वहां स्मार्ट मीटर लगाते समय सभी औपचारिकता पूरी की जाए।

गैंगरेप की शिकार महिला की मौत, पुलिस हिरासत में दो आरोपित

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के कुरारा थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में सरेराह गैंगरेप की घटना में घायल गर्भवती व मंदबुद्धि महिला की बुधवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं, पुलिस ने इस घटना में फरार दोनों आरोपितों को हिरासत में ले लिया है।

कुरारा थाना प्रभारी नंदराम प्रजापति ने बताया कि तीन दिन पहले थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन सालों से मायके में रह रही मंदबुद्धि महिला को गांव के ही दो लोगों ने घर से खेत ले जाकर पहले गर्भपात की दवा खिलाई फिर बारी-बारी से उसके साथ बलात्कार किया। इस घटना में पीड़िता को हालत बिगड़ने पर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसकी हालत लगातार खराब होने से चिकित्सकों ने उसे कानपुर रेफर कर दिया था। बुधवार को इलाज के दौरान पीड़िता की मौत हो गई।

थाना प्रभारी नंदराम प्रजापति ने बताया कि घटना की रिपोर्ट गांव के ही रामबाबू व मुन्नीलाल के खिलाफ दर्ज है। दोनों आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पीड़िता की आज मौत होने की सूचना मिली है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

राजग गठबंधन ने उपराष्ट्रपति का चुनाव जीता अब बिहार की बारी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राजग गठबंधन ने उपराष्ट्रपति का चुनाव 60 फीसदी से अधिक मतों से जीता, अब बिहार की बारी है।

उप मुख्यमंत्री ने बुधवार अपने सोशल मीडिया एकाउंट एक्स पर लिखा कि इंडी गठबंधन को धता बताकर राजग गठबंधन ने उपराष्ट्रपति का चुनाव 60 फीसदी से अधिक मतों से जीता है। दुर्भाग्य है कि इंडी गठंबधन ने इस चुनाव में उस नक्सलवाद को अपना मोहरा बनाया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने लगभग ठिकाने लगा दिया है। अब बारी बिहार की।

हरदोई से अयोध्या तक : समाजसेवा से रामलला की सेवा तक कृष्ण मोहन की गौरवगाथा

हरदोई । अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हरदोई ज़िले की धरती का मान बढ़ाने वाली एक ऐतिहासिक नियुक्ति हुई है। हरदोई के सिकन्दरपुर बाजार में निवासरत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक एवं पूर्व वन अधिकारी कृष्ण मोहन को ट्रस्ट का सदस्य बनाया गया है। यह नियुक्ति केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि उस जीवन-यात्रा का प्रतीक है जिसमें विद्या, विज्ञान, प्रशासन और अध्यात्म सब एक सूत्र में पिरोए गए हैं।

सितम्बर 1952 में जन्मे कृष्ण मोहन ने विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय से 1978 में एम.एससी. की उपाधि लेकर उन्होंने एटॉमिक एनर्जी विभाग में वैज्ञानिक के रूप में पाँच वर्षों तक देश की सेवा की। इसके बाद भारतीय वन सेवा में प्रवेश कर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद तक पहुँचे और 2012 में सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए।

सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने अपना निवास हरदोई ज़िले के शाहाबाद क्षेत्र के सिकन्दरपुर गाँव में स्थायी रूप से बना लिया। यहीं रहकर वे समाजसेवा, जनसंपर्क और संगठन के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहे। ग्राम की माटी से उनका जुड़ाव इतना गहरा रहा कि ग्रामीण उन्हें अपने बीच का ही मार्गदर्शक मानते हैं।

संघ से जुड़ाव और राष्ट्र सेवा

नागपुर प्रवास के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से उनका आत्मिक परिचय हुआ, जिसने उनके जीवन को नया आयाम प्रदान किया। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने संघ के कार्य में स्वयं को पूरी तरह अर्पित कर दिया। हरदोई नगर संघ चालक, अवध प्रांत संघ चालक और वर्तमान में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र संघ चालक के रूप में उन्होंने संगठनात्मक जीवन को गति और दिशा दी।

22 जनवरी 2024 का वह ऐतिहासिक क्षण जब श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में सम्पन्न हुई, कृष्ण मोहन उस दिव्य अनुष्ठान के यजमान रहे।

इसके अतिरिक्त रामदरबार सहित परिसर के अन्य सात मन्दिरों की प्राण प्रतिष्ठा में भी उन्होंने यजमान बनकर सेवा का पुण्य पाया।

Published, printed and owned by Rajesh Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi -110063 Editor Rajesh Chauhan. E mail ID rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No. - DLHIN/25/A2321